RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831

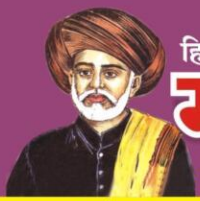

हिन्दी मासिक

माली सैनी सन्देश

जोधपुर

निष्पक्ष, निडर, नीतियुक्त पत्रकारिता

वर्ष : 13 | अंक : 160 | 31 अक्टूबर, 2018 | मूल्य : 20/-

जोधपुर में श्री नारायण सेवा समिति द्वारा आयोजित दशहरा महोत्सव की झलकियाँ

माली संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित भामाशाह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह की झलकियाँ

RNI Regd No. RAJHIN/2013/60831 Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

माली सैनी सन्देश

• वर्ष :13 • अंक 160 • 31 अक्टूबर, 2018 • • मूल्य : 20/- प्रति •

संरक्षक :

श्रीमान रमेशचंद्र कच्छवाहा
(अध्यक्ष, ठेकेदार ऐसोसियेशन, नगर निगम, जोधपुर)

संरक्षक :

श्रीमान लक्ष्मण सिंह सांखला
(समाजसेवी/भामाशाह)

संरक्षक :

श्रीमान मोहनसिंह सोलंकी
(उद्योगपति/समाजसेवी)

संरक्षक :

श्रीमान नरपतसिंह सांखला
(बिल्डर्स/समाजसेवी)

सह संरक्षक:

श्री ब्रह्मसिंह चौहान
(जिला - उपाध्यक्ष,भाजपा, जोधपुर)

संरक्षक :

श्रीमान प्रदीप कच्छवाहा
(उद्योगपति)

संरक्षक :

श्रीमान ढ़लसिंह गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

संरक्षक :

श्रीमान भगवानसिंह गहलोत
(उद्योगपति/भामाशाह)

प्रेस फोटोग्राफर
जगदीश देतड़ा
(रितू स्टूडियों मो) 94149 1484

मार्केटिंग इंचार्ज
रामेश्वर गहलोत
(मो. 94146 02415)

।। संत लिखमीदासजी नमः ।।

सैनिक क्षत्रिय माली समाज, पीपाड़ शहर
साँखला सेवा समिति
साँखलो का बेरा वार्ड नं. 01 पीपाड़ शहर

संत शिरोमणि श्री श्री 1008 लिखमीदासजी महाराज
पैदल यात्रा संघ साँखलो का बेरा वार्ड नं. 01 पीपाड़ शहर से अमरपुरा धाम नागौर

जागरण - दिनांक 01 दिसम्बर 2018 को शाम 8 बजे से
पैदल यात्रा रवानगी - दिनांक 02 दिसम्बर को सुबह 4 बजे रवाना होगी।

पता - बाबा रामदेवजी मन्दिर के पास, साँखलो का बेरा वार्ड नं. 01 पीपाड़ शहर

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	मिडिया प्रभारी	सचिव
श्यामलाल साँखला	लिखमाराम साँखला	अशोक साँखला	महिपाल साँखला	सज्जनराज साँखला
मो. 9982087571	मो. 9460156241	मो. 9460532927	मो. 9461647306	मो. 9928692477

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के स्वयं के विचार है। किसी भी विचार के साथ संपादकीय सहमति का होना आवश्यक नहीं है।
सभी प्रसंगों का न्यायिक क्षेत्र जोधपुर ही होगा।

संपादक की कलम से....

घर घर दीप जले.....

हमारे पर्व/उत्सव/त्यौहार हमारी संस्कृति के संवाहक है, संरक्षक है । इनके बिना हम समाधि संस्कृति के संरक्षण की कल्पना भी नहीं कर सकते । हिंदू धर्म के अनेक त्यौहार हैं। दीपावली उनमें प्रमुख व महत्वपूर्ण है । दीपावली प्रतिवर्ष कार्तिक माह की अमावस्या को मनायी जाती है। यह एक संक्रमण काल है । वर्षा ऋतु की विदाई तथा शरदकाल का स्वागत इसी समय किया जाता है। दीपावली को मनाने के पीछे कई मान्यताएँ है । भगवान श्रीराम के बनवास काल के पश्चात् पुनः अयोध्या तथा भगवान के स्वागत में दीपों का जलाया जाना एक महत्वपूर्ण मान्यता है जिसके साथ खुशी या प्रसन्नता का जुड़े रहना एक प्रमुख कारण है । एक अन्य मान्यता के अनुसार कार्तिक माह तक किसानों के खेतों में शरीफ की फसल पक कर तैयार हो जाती है । किसानों के खेत खलियान अन्य कृषि धन से भरे रहते हैं । खुशी के कारण उसका मन मयूर नाच उठता है वह अपनी प्रसन्नता को दीप जलाकर अर्थात् दीपावली मनाकर अभिव्यक्त करता है । कारण जो भी हो यह निश्चित है कि दीपावली खुशियों का त्यौहार है, प्रेम भाईचारे का त्यौहार हैं । आपसी कटूता, कलह, ईर्ष्या–द्वेष को भुलकर मानव मात्र को गले लगाने का त्यौहार है । दीपावली जैसे त्यौंहार को शुद्ध भाव से मनाने से सुख समृद्धि और स्वास्थ्य की वृद्धि होती है । अतः प्रमाणिक रूप से कह सकते है कि दीपावली समृद्धि व सुस्वास्थ दिलाने वाला त्यौहार है ।

प्रतिवर्ष की भाँति इस बार भी हम दीप अवश्य जइएँ, किंतु केवल तेल–वाती वाला मिट्टी का दीपक ही नहीं !

1. अपितु दीप जइएँ ज्ञान का – दीपावली के अवसर पर ज्ञान का दीपक जलाकर अज्ञान रूपी अंधकार को मिटाएँ । घर के हर बच्चे/बच्चियों को पढ़ाएँ, उन्हें उन्नति के शिखर तक पहुंचाएँ। पढ़ने वाले विद्यार्थ दीपावली से अपने अध्ययन को गति दें । अपनी दिनचर्या में अध्ययन के समय को बढ़ाएँ। अध्ययन का अलग से टाइम टेबल बनाएँ तथा उसके अनुसार अध्ययन को प्राथमिकता देवें । शिक्षा से वंचित नहीं रहे । सबकों शिक्षा के पर्याप्त अवसर मिलें ।

2. दीप जलाएँ समृद्धि का – सभी प्रकार के सुख–समृद्धि का मूल है शिक्षा/शिक्षा से ही ज्ञान की प्राप्ति होती है योग्यता बढ़ती है । योग्यता से धन की प्राप्ति होती है । धन धान्य से समृद्धि आती है अतः सब प्रकार से समृद्धि का कारण शिक्षा ही बनती है । समृद्धि घर–परिवार से गाँव–शहर समृद्ध होते है तथा गाँवा/शहरों की समृद्धि राज्य/देश की समृद्धि का कारण बनती है । समृद्ध देशो/राज्यों से सम्पूर्ण विश्व समृद्ध होता है । मानवता सुख समृद्धि से पूर्ण होती है ।

3. दीप जलाएँ खुशियों का – उत्सव/पर्व/त्यौहार हमारी खुशियों के लिए होते हैं । हम अपनी खुशियाँ दूसरों को भी बाँटे, अपने तक सीमित नहीं रखें । खुशियाँ बाँटने से बढ़ती हैं, दुख बाँटने से कम होते हैं । जितना समय हमारी प्रसन्नता/खुशी में व्यतीत होता है । वही हमारी वासत्विक आयु है। पर्व/त्यौहारों के अवसर पर पारस्परिक कटुता को भूलकर भ्रातृभाव, स्नेह, सौहार्द का वातावरण उत्पन्न करें । आपका घर आंगन खुशियों से भर जायेगा । आपको जीवन जीने का वास्तविक आनंद लाभ प्राप्त होगा ।

4. दीप जलाएँ अमन चेन का – पारस्परिक कटुता/वैर/ईर्ष्या–द्वेष हमारी खुशियों के दुश्मन है। आपने रिश्तेदारों के अलावा हम अपने पड़ौसियाँ/मोहल्ले वासियों से भी अच्छे सम्बन्ध बनावें । इसके सुख दुःख में भागीदार बनें । एक सबके लिए सब एक के लिए के सिद्धान्त पर चले, सहकारिता को अपनाएँ। अपने अधिकारों की सीमा का समझे, दूसरों के अधिकारों की रक्षा करें । एक–दूसरों के लिए जीएँ । सबके कल्याण की कामना करें । सब सुखी तोह में सुखी यही भावना रखें ।

5. दीप जलाएँ स्वच्छता का – जीवन में स्वच्छता को अपनाना अत्यंत आवश्यक हैं । स्वच्छ भारत मिशन को अपनाएँ । अपने घर, गली, मौहल्ले को साफ रखें। कचरा इधर–उधर नहीं डालें । जहाँ स्वच्छता है, वहाँ सुस्वास्थ्य है । जीवन में स्वच्छता को अपनाएँ, स्वस्थ रहें । अपने आसपास के वातावरण को साफ रखें । पर्यावरण की शुद्धि हमारे व पूरे देश के हित में अधिकाधिक पेड़ लगाएँ, उनका संरक्षण करें। पेड़ पौधे हमारे लिए हरा सोना है। उनकी रक्षा हमारा धर्म है। प्रदूषण से बचें। प्रदूषण से वातावरण विषैला बनता है।

और हाँ, एक बात और हर दीपावली पर अपनी दूसरों को बाँटे। खुशियों को अपने घर–परिवार–मोहल्ले तक सीमित नहीं रखें। दूसरों को भी अपनी खुशी के भागीदार बनाएँ। ऐसे लोगों के बीच जावें जिनके घर चूल्हे नहीं जलते, जहाँ दीपक नहीं सजते। उन्हें अपने हाथ से भोजन–वस्त्र–मिठाई बाँटे। उनका आशीर्वाद लें। उन्हें भी दीपावली की खुशी का एहसास करावें। फिर देखें आपकी खुशियाँ हजार गुनी हो जायेगी, आपके मन मस्तिष्क को परम शांति और संतुलित का अनुभव होगा। किसी के होठों पर मुस्कान लाना आपके लिए वरदान सिद्ध होगा ।

मनीष गहलोत

भारतीय सैन्य अकादमी के कमांडेंट पद पर लेफ्टिनेंट जनरल एस. के. सैनी की नियुक्ति

देहरादून। लंबे समय से खाली चल रहे भारतीय सैन्य अकादमी के कमांडेंट पद पर 'लेफ्टिनेंट जनरल एस. के. सैनी की नियुक्ति हो गई है। लेफ्टिनेंट जनरल सैनी अकादमी के 46 वें कमांडेंट बनाए गए हैं। 1981 में जाट रेजमेंट की 7 वीं बटालियन में बतौर सेकेंड लेफ्टिनेंट उन्होंने सेवाएं शुरू की थी।

मई 2015 में लेफ्टिनेंट जनरल मानवेंद्र सिंह की रिटायरमेंट के बाद से पद पर नियमित तैनाती नहीं हुई। कुछ समय के लिए लेफ्टिनेंट जनरल बीएस नेगी कमांडेंट नियुक्त हुए थे, लेकिन उन्हें मध्य कमान के जीओसी इन सी का पदभार मिलने से पद रिक्त पड़ा था।

वर्ष 1932 में स्थापित भारतीय सैन्य अकादमी में जनरल सैनी की तैनाती होने के बाद लंबे समय से चल रही कार्यवाहक व्यवस्था पर विराम लग गया है। जनरल सैनी 36 वर्षों से सैन्य सेवाओं में हैं। इस दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों और सैन्य ऑपरेशनों में भाग लिया है

कई महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दे चुके हैं लेफ्टिनेंट जनरल सैनी :

भारतीय सैन्य अकादमी, जाट रेजीमेंट की 7वीं बटालियन को कमांड करने के अलावा एक माउंटेन ब्रिगेड और जम्मू कश्मीर में काउंटर इनसर्जेंसी फोर्स को कमांड कर चुके हैं। नेशनल डिफेंस कॉलेज में सीनियर डायरेक्टिंग स्टॉफ और नेशनल सिक्योरिटी गार्डस ट्रेनिंग सेंटर में वेपन इनस्ट्रक्टर के पद पर भी सेवाएं दे चुके हैं।

डिफेंस और स्ट्रेटेजिक स्टडीज में तीन मास्टर्स डिग्री के अलावा कई विदेशी जरनल में उनके कई लेख प्रकाशित हुए हैं। उन्हें गैलेंट्री और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए चीफ आफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन, आर्मी कमांडर कमेंडेशन, युद्ध सेवा मेडल और अति विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है।

कमांडेंट आईएमए के पद पर नियुक्ति से पूर्व जनरल सैनी नेशनल डिफेंस कालेज में सीनियर डायरेक्टिंग स्टाफ पद पर तैनात थे। गौरतलब है कि बीते एक वर्ष के दौरान दो पासिंग आउट परेड कार्यवाहक कमांडेंट के अधीन हुई हैं।

अगर ओलपिंक में जीतना है तो उस स्तर के खिलाड़ियों साथ दौड़ना पड़ेगा – ओ. पी. सैनी

जोधपुर। माली संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित वार्षिक प्रतिभा सम्मान समारोह में पर बतौर मुख्य अतिथि भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी ओपी सैनी ने कहा, कि उच्च सेवा में जाने का सफर इतना आसान नहीं है। इसके लिए मजबूत इरादे के साथ सर्किल भी वैसा ही रखना पड़ता है। अगर ओलम्पिक में मेडल जीतना है तो उस लेवल के खिलाडियों के साथ ही दौड़ना पड़ेगा। इससे कॉम्पीटीशन की भावना आएगी और मेहनत पर मेडल मिलेगा। उन्होंने कहा, कि जाती प्रथा खराब नहीं है, लेकिन जातीय भेदभाव गलत है, इसे बदलने की जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा, कि उच्च सेवा में समाज के बहुत कम विद्यार्थी है। इसकी एक वजह कोचिंग व मार्गदर्शन का भी अभाव है। इसी उद्देश्य से समाज में होनहार बच्चों के लिए दिल्ली में इस साल से आईएएस व आईपीएस की कोचिंग शुरू की गई है, जिसे आने वाले समय में विस्तार दिया जाएगा।

राजसीको के पूर्व अध्यक्ष सुनील परिहार ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले व सावित्री फुले के विचारों को आगे बढ़ाने तथा शिक्षा के क्षेत्र में काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, कि जब तक सामाजिक स्तर पर एकता नहीं होगी, तब तक समाज की प्रगति संभव नहीं है। पूर्व मंत्री राजेंद्र गहलोत ने कहा, कि वर्तमान दौर प्रतियोगिता का दौर है, ऐसे में लक्ष्य निर्धारित कर कठिन मेहनत से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। समाजसेवी रामअवतार सैनी ने कहा, कि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए दिन में कम से कम 12घंटे पढ़ना चाहिए। पढ़ते वक्त भी लगातार दो–तीन घंटे नहीं पढ़कर हर चालीस मिनट में एक बार थोड़ा ब्रेक लेना चाहिए। माली संस्थान के अध्यक्ष पुखराज सांखला ने संस्थान की प्रगति और कार्यो की जानकारी दी।

माली संस्थान की ओर से शुक्रवार को रामबाग परिसर में आयोजित

समारोह में जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालोर, पाली, सिरोही और नागौर जिलों से आई 850 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आईआईटी, सीपीएमटी, आईआईएम, एनएलयू, एआईईईईई अथवा आरपीएमटी के समकक्ष संस्थान में चयनित प्रतिभाओं और दसवीं एवं बारहवी कक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक तथा उच्च शिक्षा इंजीनियरिंग, मेडिकल/आयुर्वेदिक में 65 प्रतिशत या उससे अधिक अंक अर्जित करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही जरूरतमंद स्टूडेंट्स को छात्रवृति भी दी गई। एम्स के समीप बन रहे समाज के आरोग्य भवन निर्माण में सहयोग करने वाले भामाशा का भी सम्मान किया गया।

ये थे मौजूद : इस मौके पर सुमेर शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र कच्छवाह, महात्मा ज्योतिबा फुले समता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोतीलाल सांखला, जोधपुर भवन हरिद्वार के अध्यक्ष बाबूलाल पंवार, मेडिकल कॉलेज कोटा के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. जीएल वर्मा, माली समाज अहमदाबाद के अध्यक्ष गंगाराम, भरतपुर माली समाज के अध्यक्ष जुगल सैनी, पुष्कर धर्मशाला के अध्यक्ष ऊंकारराम कच्छवाहा, माली सैनी युवा महासभा के अध्यक्ष धर्मेन्द्र टाक, अधिकारी–कर्मचारी माली सैनी संस्था जयपुर के अध्यक्ष हनुमान सैनी, अनुभव चंदेल, माली संस्थान के पूर्व अध्यक्ष देवीचंद देवड़ा, नागौर माली संस्थान के अध्यक्ष इंद्रसिंह सैनी, अनुदान कमेटी के अध्यक्ष निर्मल सैनी, माली संस्थान के पूर्व मंत्री हनुमानसिंह गहलोत, माली संस्थान के मंत्री नरेंद्रसिंह परिहार, कोषाध्यक्ष धर्मसिंह गहलोत, चंपालाल संदेशा, मोहनलाल, राजेंद्र परिहार, अरविंद परिहार, विकास बबेरवाल सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। आभार संस्थान के मंत्री योगेश गहलोत ने जताया।

आमसभा में प्रस्तुत किया बजट

इससे पूर्व माली संस्थान की वार्षिक आमसभा भी रखी गई, जिसमें संस्थान की गतिविधियों एवं गत वर्ष का आय व्यय ब्यौरा प्रस्तुत करने के साथ आगामी वर्ष का बजट प्रस्तुत किया गया। बैठक की अध्यक्षता माली संस्थान के अध्यक्ष पुखराज सांखला ने की। शुरूआत में ब्रह्मसिंह परिहार, कंवरसेन गहलोत के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

अपने बूते मुकाम हासिल करने वाली 850 माली प्रतिभाएं हुई सम्मानित

चाहे परिवार की समस्या हो, चाहे आर्थिक संकट व लहरो के विपरीत लड़कर माली समाज के युवाओं ने जब सफलता की कहानी लिखी तो समाज ने भी उन्हें सम्मानित करने का बीड़ा उठाया।

प्रशासनिक क्षेत्र या फिर नीट। आईआईटी जैसे उच्च शिक्षण संस्थान के लिए अपनी जगह बनाने वाले युवा कड़ी मेहनत के बलबूते आगे बढ़े। माली समाज की इन प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। यहां चुनिंदा युवाओं की सफलता अन्य छात्र–छात्राओं के लिए प्रेरणा का आधार है। प्रस्तुत है कुछ कहानियां।

भाई की मौत से टूट गया परिवार, फिर भी गम से उबरकर आईएएस बनी – सुश्री गरिमा पंवार

डीडवाना की रहने वाली गरिमा पंवार के स्कूल में एक दिन कलेक्टर बतौर गेस्ट आए। उन्हें देखते ही उसने कलेक्टर बनने की ठान ली और मन की इच्छा पापा को बताई तो उन्होंने कहा, कि हिन्दी मीडियम में आईएएस बनना थोड़ा मुश्किल है। पापा भी खुद सीनियर सैकडरी पास थे, लेकिन उन्होंने बच्ची के उत्साह को देखते हुए गोटन में इंग्लिश मीडियम स्कूल में दाखिला करवाया। दसवीं कक्षा में पहुंची तो उसके इकलौते भाई की कैंसर से मृत्यु हो गई। भाई के गम ने उसे और उसके पूरे परिवार को तोड़ दिया, लेकिन इससे उबरकर वह फिर अपने लक्ष्य में जुटी और दिल्ली से लेडी श्रीराम कॉलेज से ग्रेज्युेशन कर आईएएस का एग्जाम दिया और पहले अवसर में ही उसका चयन हो गया। इस जुनून में उसकी मम्मी नंदूश्री पंवार ने पूरा साथ दिया और वह उसके साथ जयपुर व दिल्ली भी रहने गई। इस बीच उसने जिद को पापा को भी स्नातक करवाया। गरिमा फिलहाल मसूरी में आईएएस की ट्रेनिंग ले रही है।

सरकारी स्कूल से पढ़कर इंजीनियरिंग के बाद आईपीएस बना – राहुल भाटी

मेड़ता रोड़ के रहने वाले राहुल ने दसवी कक्षा में ही प्रशासनिक सेवा में जाने का इरादा बना लिया था। वर्ष 2008 में सीनियर सैकंडरी बायलॉजी व मैथ्स में टॉप करने के बाद उसने इंजीनियरिंग जॉइन कही। जोधपुर एमबीएम इंजीनियरिंग कॉलेज से बीई करने के बाद उसने साढे सात महीने मेट्रो दिल्ली में जॉब किया और उसके बाद उसका आईईएस में चयन हो गया। इसके बाद इंडियन फॉरेस्ट सर्विस में चयन हुआ, लेकिन उसका सपना आईएएस व आईपीएस ही बनना था। राहुल ने वर्ष 2017 में आईएएस का एग्जाम दिया और उसका आईपीएस में चयन हो गया। उसके पिता उम्मेद भाटी स्कूल व्याख्याता है, जबकि माता हाउस वाइफ है।

6 साल के बच्चे ने स्पेल बी कॉम्पीटिशन में इंटरनेशनल स्तर पर पदक जीता – लाहिताक्ष परिहार

मगरा पूंजला के रहने वाले छह साल के लोहिताक्ष परिहार को इंग्लिश ग्रामर अच्छी लगती है। इसी रूचि के चलते उसने ओलिंपियाड में अच्छा स्थान प्राप्त किया। इसके बाद उसने चेन्नई की संस्था द्वारा करवाए जाने वाले स्पेल बी कॉम्पीटिशन में भाग लिया। जिला, राज्य व नेशनल स्तर पर पदक जीतने के बाद उसने पदक जीता। उसके पिता दिनेश परिहार बताते है, कि वह अभी कक्षा द्वितीय में है।

दसवीं व बारहवीं में कम प्रतिशत होने के बावजूद डॉक्टर बनने की ठानी– सवाईराम माली

बाड़मेर के रहने वाले सवाईराम माली के पिता पेशे से मजदूरी करते है। मम्मी हाउस वाइफ है। बारहवी तक बाड़मेर में ही सरकारी स्कूल में पढाई की। दसवी में 60 प्रतिशत और बारहवी में 70 प्रतिशत अंक आए। फिर भी मन में डॉक्टर बनने का सपना था, दोस्त के साथ कोटा चला गया। वहां खूब मेहनत की, रैंक तो आई, लेकिन अच्छा कॉलेज नहीं मिलने से जॉइन नहीं किया और दुबारा एग्जाम देने का इरादा बनाया। आर्थिक स्थिति खराब होने के बावजूद लक्ष्य को नहीं छोड़ा। दूसरी बार में उसका नीट में भी चयन हुआ और एम्स में भी, उसने एम्स जोधपुर को प्राथमिकता दी।

विशेष सम्मान से सम्मानित समाज की प्रतिभाऐं

1. हनुमान सिंह गहलोत – चुनाव हेतु राज्य स्तरीय सॉफ्टवेयर बनाने हेतु
2. मनोहर सिंह सांखला – एशिया पेसिफिक मास्टर्स गेम्स 2018 मलेशिया में वेटलिफ्टिंग में रजत पदक प्राप्त जीतने पर
3. शिवराज सांखला – 18वीं राजस्थान राज्य शुटिंग चैंपियनशिप, 2018 में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर
3. प्रेक्षा सैनी – FemalFutsal NCC cum National Championship -2018 में कांस्य पदक जीतने पर
4. डॉ. सुरेन्द्र देवड़ा – हृदय रोग विशेषज्ञ, ऐम्स। ऐसोसिएट प्रोफेसर पद पर प्रमोशन होने पर
5. डॉ. प्रवीण गहलोत – कवक विज्ञान में विश्व की टॉप तीन पब्लिकेशन में पुस्तक प्रकाशन होने पर
6. डॉ. प्रफुल्ल कच्छवाहा – Hypotensiue Technique for Anasthesia to Reduce Blood during surgery में विशेष कार्य करने पर लाईफ टाईम अचिवमेंट अवार्ड से सम्मानित होने पर
7. विनय गहलोत – संस्थान के भवन के नक्शे तैयार करने में सहयोग
8. अमित सांखला – संस्थान के भवन के नक्शे तैयार करने में सहयोग
9. अशोक भाटी – अरोग्य भवन धर्मशाला के निर्माण में मुख्य अभियंता के रूप में कार्य करने पर
10. डॉ. दिलीप कच्छवाहा – चर्मरोग में विशेष तकनीक प्राप्त करने पर
11. डॉ आर्य त्रिलोक सांखला – बी.पी.बी.एस. के छात्रों को चिकित्सक परामर्श, सेवा एवं समाजसेवा करने पर
12. हीरालाल गहलोत – हीरा मोती नमकीन के निर्माता द्वारा नवीनत्तम तकनीक एवं गुणवतापूर्ण प्रोडक्ट्स बनाने पर
13. श्यामलाल भाटी – योगा वर्ल्ड ऑफ बुक में वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने पर
14. भगवानराम माली – योगा वर्ल्ड ऑफ बुक में वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने पर
15. राहुल भाटी – लिम्बा बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में 1 मिनट में साफा बांधने में नाम दर्ज होने पर
16. बी. सी. माली – एस.बी.आई. बैंक में सहायक प्रबंधक बनने पर
17. घनश्याम सोलंकी – एस.बी.आई. बैंक में सहायक प्रबंधक बनने पर
18. शिवलाल सोलंकी – बैंक ऑफ इण्डिया बैंक में सहायक प्रबंधक बनने पर
19. अजय गहलोत – गौ एवं अश्व संवर्धन में सराहनीय योगदान के लिए
20. गरिमा पंवार – आई.ए.एस. में चयनित होने पर
21. राहुल भाटी – आई. पी. एस. में चयनित होने पर
22. तरूण गहलोत – सी. सै. बोर्ड में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर
23. दिनेश बागड़ी – सी. सै. बोर्ड में 94.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर
24. मिनल परिहार – सेकण्डरी. बोर्ड में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर
25. गुलशन सोलंकी – सेकण्डरी. बोर्ड में 95.53 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर
26. लोहिताश परिहार – Spell Be Competition में अंतराष्ट्रीय स्तर पर पदक प्राप्त करने पर
27. निहारिका सोलंकी – डूबते को बचा कर बहादुरी के क्षेत्र में विशेष पहचार बनाने पर
28. सारिका सोलंकी – डूबते को बचा कर बहादुरी के क्षेत्र में विशेष पहचार बनाने पर
29. ज्ञानसिंह गहलोत – लेखा सहायक, कार्यालय वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबंधन में उत्कृष्ठ सेवा हेतु सम्मानित होने पर
30. कमल किशोर गहलोत – मोबाईल के जरिए, ट्यूबवेल व मोटर साईकिल आदि मशीनों को चालू करने की तकनीक में सफलता प्राप्त करने पर
31. जितेन्द्र कच्छवाहा – चार्टड एकाउन्टेंट बनने पर
32. विकास गहलोत – चार्टड एकाउन्टेंट बनने पर
33. गौत्तम माली – चार्टड एकाउन्टेंट बनने पर
34. हर्षिका परिहार – सी.पी.टी. 2018 में चयनित होने पर
35. प्राची गहलोत – सी.पी.टी. 2018 में चयनित होने पर
36. ओमप्रकाश सोलंकी – NET-2018 में चयन होने पर
37. पुरूषोत्तम माली – NET-2018 में चयन होने पर
38. बबलू सोलंकी – महासचिव, जय नारायण विश्व विद्यालय, जोधपुर
39. दिनेश कुमार पंवार – उपाध्यक्ष, सुभाष महाविद्यालय, सिणधरी बाड़मेर
40. दिनेश सुंदेशा – महासचिव, राज. महाविद्यालय, जालोर
41. जितेन्द्र सांखला – साहित्यिक सचिव, राज. महाविद्यालय, जालोर
42. श्रवण माली – अध्यक्ष, राज. महाविद्यालय, आहोर
43. विष्णु सांखला – अध्यक्ष, राजा उगमसिंह इंदा राज. महाविद्यालय, बालेसर
44. लक्ष्मण सोलंकी – महासचिव, राजा उगमसिंह इंदा राज. महाविद्यालय, बालेसर
45. पंकज सैनी – अध्यक्ष, राज. महाविद्यालय, पोकरण

नवलगढ (झुंझुनु) में सैनी समाज का परिचय सम्मेलन

शिक्षा से आती है समाज में क्रांति– सैनी

नवलगढ़। कस्बे के छोटा बस स्टैंड के पास स्थित सैनी छात्रावास में रविवार को सैनी समाज का युवक–युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन हुआ। सम्मेलन के मुख्य अतिथि प्रदेश माली महासभा के चौयरमेन ओकारराम कच्छावा थे। अध्यक्षता महात्मा ज्योतिबा फुलें राष्ट्रीय संस्थान जयपुर के अध्यक्ष माँगीलाल पंवार ने की। सैनी समाज संस्था के अध्यक्ष दुर्गाप्रसाद सैनी, अखिल भारतीय माली सैनी संस्थान पुष्कर के उपाध्यक्ष मॉगीलाल भाटी, अखिल भारतीय माली सैनी संस्थान पुष्कर के सचिव धन्नाराम गहलोत, बीईईओ बंशीधर सैनी एवं अधिशांसी अभियंता मूलचन्द सैनी भी मंचस्थ अतिथि थे।

आयोजकों की ओर से मंचस्थ अतिथियों को पुष्प माला व शॉल ओढाकर उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज की दिशा व दशा पर विस्तार से चर्चा की गई। वही परिचय सम्मेलन के दौरान 300 से अधिक युवक–युवतियों के रजिस्ट्रेशन हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. श्रवण सैनी ने कहा कि सैनी समाज संस्था की वेबसाईट भी बननी चाहिए। जिसमें विवाह योग्य बच्चों की डिटेल उपलब्ध हो। वही कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ओकारराम कच्छावा ने कहा कि शिक्षा से समाज का भला होता है। शिक्षा से ही समाज का उत्थान होता है। वही समाज में व्याप्त बुराइयों को मिटाने के लिए लोगो को प्रेरित करते हुए समाज हीत मे बात कही। उन्होंने कहा कि लोगों के अन्दर समाजसेवा की भावना होनी चाहिए। इस दौरान वल्लभाराम तंवर, राधेश्याम सैनी,बाबूलाल सैनी ने भी संबोधित करते हुए अपने विचार रखे।

सैनी समाज संस्था के पूर्व अध्यक्ष कजोड़मल सैनी ने स्वागत भाषण दिया। अधिशांसी अभियंता मूलचन्द सैनी कार्यक्रम मे आए हुए सभी लोगों का अभार जताया।

कार्यक्रम का संचालन महेन्द्र शास्त्री ने किया। इस दौरान कजोड़मल सैनी, पूर्व अध्यक्ष भोजाराम सैनी, रामलाल सैनी पीटीआई, हरिराम सैनी, बिरोल संरपच घासीराम सैनी, बालाजी होटल के संचालक सुभाष चन्द्र सैनी, दिनेश पटवारी, राजेश जमालपुरिया, युवा नेता गंजानन्द, निस्वार्थ सैनी सेवा समिति के अध्यक्ष गंजानन्द सैनी, पंचायत समिति सदस्य रामकरण सैनी, डॉ. श्रवण सैनी, डॉ. विनोद सैनी, मुरलीमनोहर चोबदार, ओमप्रकाश सैनी, पूर्व पंचायत समिति सदस्य राजकुमार सैनी, एडवोकेट सुरेश कुमार सैनी, एडवोकेट आनंदीलाल सैनी, राजेश जमालपुरिया, संस्था के कोषाध्यक्ष बृजलाल सैनी, सांवरमल सैनी, पूर्व सरपंच सांवरमल सैनी, केशरदेव सैनी, छोटेलाल, पूर्व बीईईओ बनवारीलाल सैनी, रामस्वरुप चौबदार, अटलबिहारी सैनी, नरेश कुमार सैनी सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

12 बोर्ड में प्रथम स्थान पाने वाली नेहा भाटी को मिली स्कूटी व 1 लाख रु प्रोत्साहन राशि

अजमेर। नेहा सैनी भाटी को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 12 की परीक्षा में अपने वर्ग में जिले में प्रथम आने पर राज्य सरकार के द्वारा पदमा श्री प्रोत्साहन पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपए राशि का चेक व स्कूटी अजमेर में आयोजित समारोह में शिक्षा राज्य मंत्री श्री वासुदेव देवनानी व जिला प्रमुख वंदना नोगिया के द्वारा प्रदान किया गया।

छात्रा की इस उपलब्धि पर प्रेरणा स्कूल परिवार प प्रधानाचार्य जसराज सैनी ,विद्यायल कमेटी अध्यक्ष मोहनलाल सैनी ,उपाध्यक्ष पदम राज सैनी, सचिव माया सैनी, वाईस प्रिंसिपल प्रेरणा सैनी एवम् नेहा सैनी को माली सैनी संदेश की ओर से हार्दिक बधाई एवम् उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं ।

माली (सैनी) संस्थान अजमेर, प्रतिभा सम्मान समारोह

शिक्षा के साथ व्यवसाय भी युवा आगे बढ़े–सैनी

अजमेर। माली सैनी संस्थान अजमेर के तत्वावधान में दिनांक 7 अक्टूबर रविवार को जिला स्तरीय पंचम मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह आनंद पैलेस समारोह स्थल गुलाब बाड़ी पर सआनंद संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का आरंभ मां सावित्री बाई फूले व महात्मा ज्योति बा फूले की तस्वीर पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर हुआ। बेबी समृद्धि चौहान द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई जिसे पंडाल में मौजूद हजारों तालियों से प्रोत्साहित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांखला बिल्डर्स के समाजसेवी राजेश सांखला द्वारा जय फूले के आगाज के साथ ही युवाओं को शिक्षा क्षेत्र व व्यवसाय क्षेत्र में भी आगे आने का आव्हान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे त्रिलोकचंद इंदौरा ने कहा कि मैं निरंतर माली सैनी संस्थान की प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान समारोह, रक्तदान शिविर, फूले जंयति की विभिन्न समाज हित गतिविधियों का सहभागी व प्रत्यक्षदर्शी रहा हूं पूरी माली सैनी संस्थान की टीम इस प्रकार के पुनीत कार्यो के लिए साधुवाद के पात्र है।

विशिष्ठ अतिथि सुशील कुार गहलोत जिला शिक्षा अधिकारी विरष्ठ मण्डल वित्त (उ.प.रे.) प्रबंधक अजमेर विक्रम सिंह सैनी, समाजसेवी श्री सेवाराम दग्दी, बी. सी. वंवार पूर्व निदेशक , आकाशवाणी, ताराचंद गहलोत टेक्सवे ग्रुप के निदेशक, निरंजन महावर सहित सभी अतिथियों ने समाज के अतीत से वर्तमात तक माली समाज का देश व समाज हित में योगदान विषय पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभाओं को प्रगतिपथ पर आरूढ़ रहने का आव्हान किया एवं टेक्सवे ग्रुप की देश व्यापी शाखाओं में रोजगार अवसर प्रदान करने हेतु युवाओं को जुड़नें का आव्हान किया।

इस अवसर शिक्षा व खेलकूद क्षेत्र की सैकड़ों प्रतिभाओं के साथ ही सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर छात्र संघ उपाध्यक्ष मानसी सैनी, राजकीय महाविद्यालय, किशनगढ़ के छात्रसंघ अध्यक्ष शुभम मालाकार को समाजसेवियों एवं भामाशाहों के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान को सहयोग प्रदान करने वाले सभी भामाशाहों एवं समाजसेवियों का भी बहुमान किया गया।

बर में माली सैनी समाज का प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, कई प्रशासनिक अधिकारीयों ने कि शिरकत

शिक्षा से ही समाज का उत्थान :– ओ. पी. सैनी

बर–मारवाड़ (पाली) । राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 162 बर बाईपास स्थित महात्मा ज्योतिबा फूले शिक्षण संस्थान में आयोजित माली सैनी समाज के प्रथम प्रतिभावान सम्मान समाहरो क्षैत्र के राजकीय कर्मचारियों एंव प्राईवेट कर्मचारियों के नेतृत्व में आयोजित हुआ। आयोजन को लेकर आयोजन समिति के सचिव वेदराज दगदी ने बताया की आयोजन में मुख्य अतिथि छात्र–छात्राओं के मार्गदर्शन हेतू जयपुर से भारतीय प्रशासनिक सेवा के सिनियर आईएएस अधिकारी ओ.पी.सैनी ओद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जयपुर के प्रधानाचार्य रामवतार सैनी, आयोजन की अध्यक्षता राजस्थान प्रशासनिक सेवा के आर. ए. एस. अधिकारी ताराचंद भाटी एंव विशिष्ठ अतिथि आर. ए. एस. अधिकारी अमृतलाल सांखला, जयपुर से एडवाकेट अनुभव चंदेल, प्रधानाचार्य विजयलक्ष्मी सांखला, पीपाड़ से शान्तिलाल सैनी एंव भामाशाह शंकरलाल बागड़ी पूना, भामाशाह प्रभूलाल बागड़ी रायपुर, ने आयोजन में बतौर अतिथि शिरकत की सभी अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति की और से किया गया। आयोजन में आईएएस अधिकारी ओ.पी.सैनी ने कहा की शिक्षा से ही समाज का उत्थान संभव है। आज के तकनीकी एंव प्रतिस्पर्दा के युग में शिक्षा के क्षैत्र में छात्र–छात्राओं को नए किर्तिमान स्थापित करने होगें। सैनी ने कहा की बालिका शिक्षा पर सर्वाधिक ध्यान दे साथ ही सैनी सबको बेटी पढाओ बेटी बचाओं की शपथ भी दिलाई। इस मौके पर रामावतार सैनी ने आयोजन में सम्मानित होने आए छात्र–छात्राओं को पढाई करने के नए–नए तरीके समझाऐं, आयोजन को सम्बोधित करते हुऐ एडवोकेट अनुभव चंदेल ने कहा की समाज का भविष्य युवा है।

आयोजन की अध्यक्षता कर रहे आरएएस अधिकारी ताराचंद भाटी ने कहा की अब इस जमाने में मार्क्स का समय नही है अब हर क्षैत्र में कॉम्पीटेंस है जितनी लगन के साथ आप जुटे रहोगे उतनी ही जल्द सफलता आपके नजदीक होगी। आरएएस अधिकारी अमृतलाल सांखला ने कहा की समाज में शिक्षा के साथ–साथ समाज में एकता महत्वपूर्ण है सभी को एक जुट होकर समाज में निः शुल्क शिक्षण व्यवस्था के लिए युद्वस्तर पर तैयारी करें। आयोजन समिति राजकीय कर्मचारी समिति बर क्षैत्र के अध्यक्ष लाबूराम चौहान अतिथियों का स्वागत भाषण दिया। आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष चम्पालाल बागड़ी वरिष्ठ लेखाधिकारी भारत संचार निगम अजमेर ने सभी अतिथियों का आगमन किया। आयोजन का संचालन प्रदेश माली महासभा के महासचिव महेन्द्र चौहान ने किया, महेन्द्र चौहान ने मंच संचालन करते हुऐ कहा की देश की आजादी के 70 वर्षो पूरे होने के बाद माली सैनी समाज का प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह बर क्षैत्र का आयोजित हुऐ साथ समाज के लोगों का आपार सहयोग मिला इस को लेकर अब हर वर्ष गांव में समाज का प्रतिभा सम्मान समाहरो अयोजित किया जाऐगा।

52 प्रतिभाऐं सम्मानित :– राजकीय माली सैनी कर्मचारी संघ बर के तत्वाधान में महात्मा ज्योतिबा शिक्षण संस्थान में आयोजित हुऐ प्रथम प्रतिभा सम्मान समाहरों में समाज के 52 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इन प्रतिभाओं में बेटीयां आगे रही। आयोजन समिति के दुर्गेश बागड़ी एंव पुखराज चौहान ने बताया की प्रतिभाओं के अलावा भी समाज के नवनियुक्त राजकीय कर्मचारीयों एंव विशेष उपाधि प्राप्त प्रतिभाओं के साथ समाज में निःशुल्क कोचिंग में भाग लेने वाले शिक्षको का भी सम्मान किया गया।

इनमें विशेष रूप से बर निवासी प्रदीप गहलोत का सम्मान किया गया, प्रदिप को माहर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर में राजनितिक विज्ञान में स्वर्ण पदक से सम्मानित होने से समाज के साथ–साथ गांव का भी नाम रोशन किया, साथ ही जोधपुर मथुरादास माथुर चिकित्सालय में बतौर नर्सिंग स्टाफ कार्यरत निर्मल गहलोत (चौधरी) को भी अपनी विशेष सेवाओं के तहत सम्मानित किया गया। आयोजन समिति के सचिव वेदराज दगदी ने बर कस्बे में प्रथम बार आयोजित हुऐ प्रतिभा सम्मान समाहरो की प्रेरणा देने वाले समाज के युवा एंव प्रदेश माली महासभा के महासचिव महेन्द्र चौहान को समिति की और से राजस्थानी परम्परा के अनुसार माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया साथ ही दगदी ने बताया की आयोजन में अतिथियों को आमन्त्रित करने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका महेन्द्र चौहान की रही। आयोजन में कोचिंग व्यवस्था संचालन को लेकर महात्मा ज्योतिबा फूले शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष ढगलाराम बागड़ी व्यख्यता को भी सम्मानित किया गया।

ये रहे उपस्थित :– आयोजन समिति के राजकीय कर्मचारी सचिव वेदराज दगदी, कोषाध्यक्ष चम्पालाल बागड़ी, सलाहकार सोहनलाल चौहान, चम्पालाल चौहान, दमोदरलाल बागड़ी, पप्पूराम चौहान, लाबूराम गहलोत, अमरलाल गहलोत, दुर्गेश बागड़ी, पुखराज चौहान, सुमनप्रकाश, केलाश चौहान, राकेश बागड़ी, बुधराज बागड़ी, अशोक बागडी, बाबुलाल गहलोत, बगदीराम बागड़ी, रामलाल चौहान, ओमप्रकाश बागड़ी, चम्पालाल दगदी, गौतम दगदी, नरेन्द्र चौहान, मदनलाल पालड़िया, केलाश दगदी,बिराटिया सरपंच ओमप्रकायश बागड़ी, बर उपसरपंच सुखलाल बागड़ी, माली सैना के नेमाराम भाटी, मनोहर गहलोत, सहित माली सैनी समाज के बर, धोलीधेड़, मेघड़दा गांवों के समस्त राजकीय कर्मचारी एंव समस्त माली सैनी समाज के प्रबुधजन उपस्थित रहे।

आज भी ईमानदारी जिन्दा है

चक्की चालक भंवरलाल माली ने लौटाए 8 तोले सोने के जेवर

पादूकलां आज भी ईमानदारी जिन्दा है। चक्की वाले ने आठ तोला सोने के जेवरात दो सौ रूपये महिला को लोटाकर ईमानदारी का परिचय दिया आज इन्सान पैसे के लिऐ कई प्रकार से प्रत्यन्न करता है। यहां तक अपराध करने से भी नहीं चूकता व ही दूसरी और आज के दोर में हाथ आई पूंजी ईमानदारी से वापस लौटना भी एक साहसिक कदम है।

पादूकलां में एक महिला ने अपने आठ तौले के जेवरात सुरक्षित रखने के लिऐ अपने घर में रखे गेहुं के कट्टों में रख दिये। लेकिन वो कई दिनों से इस प्रकार उनमें से गेहु निकालकर पिसाई केलिऐ आटा अपने ही मौहल्ले आटा चक्की चलाने वाले भंवरलाल माली पुत्र रामाराम जी माली को दें आती और आटा लेकर चली आती तीन अक्टूबर को भंवरलाल माली ने ज्यो ही गेहुं पिसाई के लिऐ चक्की में डाला तो उसमें करीबन आठ तौला सोने के जेवरात व दो सौ रूपये निकल आये।

भंवरलाल ने एकाएक गेहूं से जेवरात निकाल लिए तथा राजमदेवी पत्नि जगदीश प्रजापत जो कि गरीबर परिवार से मजदूरी कर पेट पालता है को बुलाकर लोगों के सामने राजूदेवी के सोने जेवरात सुपुर्द कर दिया। राजूदेवी को भी अपने गहने गेहुं में आ जाने की जानकारी नहीं थी। वो तो अभी भी गहने कट्टे में होने को लेकर निश्चिंत थी। राजूदेवी व आसपास के लोगों ने भंवरलाल को उसकी ईमानदारी की भूरी भूरी प्रंशसा की तथा ध्न्यावाद दिया इस दौरान सन्तोषदेवी, लीलादेवी, पतासीदेवी, बिदामीदेवी, पुष्पादेवी, कवितादेवी, सन्तोष टेलर, कचरूलाल टेलर, जगदीश लखारा,नेमीचद टेलर, रामदेव टेलर,चौनाराम भाटी, नरपतसिंह, उपसरपंच पप्पूराम गौरा, अमरसिंह, पुष्कर लखारा, संपतराम गौड़, किशनराम बेड़ा, पवन टेलर, सहित बड़ी संख्या में महिलाऐं एंव ग्रामीण मौजूद थे।

माली सैनी संदेश पत्रिका परिवार समाज के ईमानदार भंवरलाल का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार प्रकट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता है।

रुबी सैनी ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर समाज को किया गौरवान्वित

कुरूक्षेत्र। रुबी सैनी जो इस इस समय नैशनल युनिवर्सिटी ऑफ में इन्टरप्राईज बिजनैस एनालिटिक्स में एम. टेक. की छात्रा ने विश्वविख्यात आई.टी. कंपनी गुगल द्वारा विश्व स्तर पर आयोजित की गई ए.पी.ए.सी. वूमैन टैक्मार्कस स्कॉलरशिप प्रोगाम–2018 में जीत दर्ज कर अपने गांव रामसरन माजरा जिला कुरुक्षेत्र व हरियाणा का नाम रोशन किया है।

रुबी सैनी ने सिंगापुर में पढ़ रहे भारतीय व विदेशी छात्र–छात्राओं में वूमैन टिकमार्क प्रतियोगिता जीत कर एकमात्र भारतीय होने का गौरव पाया है जिस पर पूरे समाज को गर्व है। रूबी सैनी की इस बड़ी उपलब्धि पर जहां परिजनों में भारी खुशी का माहौल है।

गुगल द्वारा रुबी सैनी को 11 अक्तूबर से 13 अक्तूबर 2018 को गुगल के साऊथ एशिया मुख्यालय सिंगापुर में ही गुगल की विशेष मेहमान के तौर पर आमन्त्रित किया गया है ताकि वह गुगल की कार्य प्रणालियों का अवलोकन कर सकें रुबी सैनी को गुगल की और से 1 हजार अमरीकन डालर की स्कॉलरशिप भी प्रदान जाएगी। उनके भाई मोहित सैनी, माता संतोष सैनी व दादी सुमित्रा देवी ने अपनी लाडली की इस उपलब्धि पर फर्क करते हुए कहा कि रूबी बचपन से ही होनहार प्रतिभा की धनी रही है। उसने पांचवीं कक्षा में नवोदय की परीक्षा पास की तथा 2010 में दसवीं में 90 प्रतिशत अंक से सफलता प्राप्त की। रूबी ने जे.एम.आई.टी. रादौर से कम्प्यूटर साईस में बी. टेक की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ पास करने के साथ ही उसका चयन आई. टी. कंपनी इंफोसिस में हो गया था।जिसे ज्वाईन करने के बाद भी रूबी सैनी ने आगे बढ़ने के लिए पढ़ाई जारी रखी और उसने नैशनल युनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर से इंटरप्राईज बिजनैस एनालाईस्सिट में एम.टेक. करने का फैसला किया। सिंगापुर में पढ़ाई के दौरान ही विश्व विख्यात आई.टी. कंपनी गुगल द्वारा विश्व स्तरीय ए.पी.एस.सी. वूमैन टैक्मेकर स्कॉलरशिप प्रोग्राम–2018 में भाग ले जीत कर समाज व देश को गौरवान्वित किया है। माली सैनी संदेश परिवार रूबी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करने के साथ ही उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता है।

समाज की बेटी बनीं मिसाल

अपना चूल्हा जलाया और दूसरों का बुझने से बचाया

5 बच्चों की मां सीमा सैनी ने 32 महिलाओं को उपलब्ध कराया नियमित रोजगार
बच्चों के लालन पालन के साथ कृषि उत्पादन में निभा रही मजबूत भूमिका

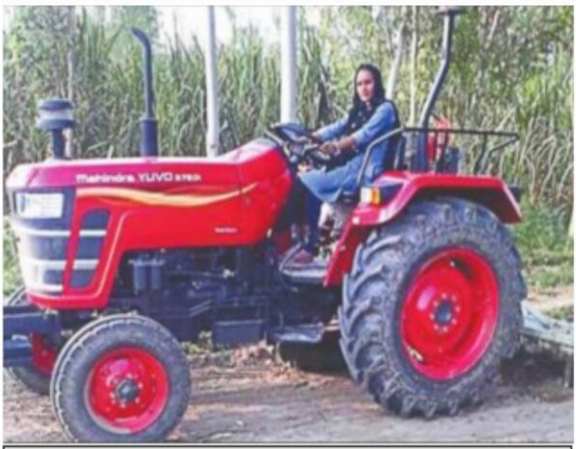

मोदीपुरम। सरकार और गैर सरकारी संगठनों द्वारा चलाए जाने वाले स्वयं सहायता समूह की मिसालें तो खूब मिल जाएगी, लेकिन अपने बूते महिला सशक्तिकरण की ऐसी मिसाल आपको बहुत कम मिलेगी, जिसमें चूल्हा चौका संभाल रही महिला न सिर्फ एक आदर्श कृषि उत्पादक बनी, बल्कि दूसरी महिलाओं को खेती से जोड़कर उनका चूल्हा भी बुझने नहीं दिया। यह कहानी है यह कहानी है तापड़ के महल गांव की सीमा सैनी की जिने आगे नारी सशक्तिकरण की सीमाओं का अपने बूते विस्तार किया। पति नंदकिशोर के साथ ठेके पर जोत की जमीन लेकर सीमा ने 32 महिलाओं को जोड़ा और इनके लिए नियमित रोजगार का अवसर मुहैया कराया। यह महिला घर मं चूल्हा संभालने के साथ खेत में अपने पति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है।

पांच बच्चों के पालन पोषण का जिम्मा खुद उठाने वाली सीमा का समय प्रंबधन भी बेहतरीन है। सुबह चूल्हा चौका और उसके बाद ट्रेक्टर लेकर खेत पर निकल, गुढ़ाई और फसल कटाई के बाद उसे कृषि उत्पादन मण्डी समिति या बाजार तक पहुंचाने की जिम्मेदारी वह खुद निभाती है। सभी मामलों में उनसका ज्ञान भी भरपूर है। दरअसल नंदकिशोर 35 बीघा कृषि भूमि पर कृषि करते थे और यह अक्सर खेती के काम में अकेले पड़ जाते थे।

सीमा बताती है कि कई साल पहले उन्होंने अपने पति के साथ खेती में हाथ बंटाने की ठानी। सर्दी के सीजन में चीनी मिलों के पेराई सत्र में वह स्वयं ही गन्ना कटवानें, ढ़ोने औन मयाना गौनी मिल तक सप्लाई की जिम्मेदारी निभाती है। नंदकिशोर बताते है कि तीन सौ बीघा जमीन ठेके पर ली और इस पर भी खेती करने लगे। यह जमीन महल, भगवानपुर और मायाना क्षेत्र में है। सीमा ने अपने साथ जरूरतमंद 32 महिलाओं को जोड़ा और समूह बनाया, जो खेतों पर मजदूरी करती है और इन्हें प्रतिदिन 200 रूपये पारिश्रमिक दिया जाता है। पूर साल खेतों पर कामकाज को सीमा ही लीड करती है। माली सैनी संदेश पत्रिका समाज की होनहार बेटी के द्वारा अपनी सभी जिम्मेदारियों के साथ ही स्वरोजगार के क्षेत्र में महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के किए प्रयासों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता है।

बच्चों की शिक्षा पर भी है पूरा फोकस

सीमा सेनी बच्चों की शिक्षा पर भी पूरा ध्यान देती है। घरेलू काम खुद संभालती है और बाहर के काम पति के हवाले है। पांच बच्चों में तीन लड़कियां और दो लड़के है। बड़ी बेटी मानसी बी.कॉम कर रही है, बेटा अश्वनी आठवीं कक्षा में प्ढरहा है। बेटी मुस्कान कक्षा सात, प्राचची कक्षा पांच और सबसे छोटा बेटा इशांत कक्षा तीन में है। सीमा खुद कक्षा आठ तक पढ़ी है, लेकिन शिक्षा का महत्व जानती है और इसलिए बच्चों को उच्च शिक्षित बनाने पर ध्यान दे रही है। उनके पति नंदकिशोर बी.एस.सी. है।

बेटी को भी सिखाया ट्रैक्टर चलाना

सीमा सैनी ने बताया कि उन्होंने बेटी मानसी को भी ट्रैक्टर चलाना सिखाया है वह भी खाली खेत में जुताई करने लगी है। हांलाकि वह बेकिंग के क्षत्र में जाना चाहती है और इसी उद्देश्य से बी.कॉम. कर रही है।

रविवार को रखते है छुट्टी

नंदकिशोर सैनी और सीमा बताते है कि वे खेतों के कामकाज की संडे का छुट्टी रखते है। यह दिन उन्होंने ग्रुप की महिलाओं को अपने घरों की जरूरी कामों के निस्तारण के लिए छोड़ रखा है और वे खुद अपने बच्चों के बीच में रहते है। अन्य दिनों में पांच बजे उठकर पहले घर का काम और फिर खेती के लिए निकल जाते है।

माली समाज का जिला स्तरीय राजनीतिक चिंतन सम्मेलन, दोनों दलों से मांगे टिकट

नागौर। विधानसभा चुनाव 2018 में दोनों प्रमुख दलों को चाहिए कि वे माली समाज के कर्मठ कार्यकर्ताओं को प्रतिनिधित्व प्रदान करे अन्यथा समाज की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह बात जयराम सोलंकी पटेल ने शनिवार को परबतसर विधानसभा के ग्राम बिंदियाद स्थित तंवर कृषि फार्म में आयोजित माली सैनी समाज के विशाल जिला स्तरीय चिंतन सम्मेलन को बतौर अध्यक्ष संबोधित करते हुए व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि नागौर जिले में तीन विधानसभा सीटों से समाज द्वारा टिकट की मांग की जा रही है। जिसमें नागौर से कृपाराम सोलंकी, मकराना से गीतादेवी सोलंकी व परबतसर से दीपक तंवर पुत्र लक्ष्मीनारायण तंवर द्वारा टिकट की मांग की जा रही है। यदि दोनों पार्टियों द्वारा माली समाज के उम्मीदवारों को उचित प्रतिनिधित्व नहीं प्रदान किया गया तो दोनों दल इसका खामियाजा भुगतने को तैयार रहे। नागौर सभापति कृपाराम सोलंकी व माली समाज नागौर के पूर्व अध्यक्ष कृपाराम देवड़ा ने भी पार्टीबाजी से ऊपर उठकर समाज के व्यक्ति को एकजुट होकर समर्थन देने की बात कही।

वही खींवसर से जगदीश कच्छावा ने कहा कि जिले की सभी विधानसभा सीटों से वहां के माली समाज अध्यक्ष अपने लेटरपेड पर समाज के प्रतिनिधि को टिकट दिए जाने की मांग करे। बैठक में समाजबंधुओं की मांग पर नागौर अध्यक्ष मूलसिंह सांखला ने जल्द ही नागौर में समाज का एक सम्मेलन आयोजित किए जाने की घोषणा की। छः गांव अध्यक्ष ओमप्रकाश सांखला ने कहा कि जिले में लगभग दो लाख माली समाज के मतदाता है जो सभी विधानसभा क्षेत्रों में निर्णायक की भूमिका अदा करते है। इसबार चुनाव से पूर्व सभी विधानसभा क्षेत्रों में किस उम्मीदवार का समर्थन करना है इस पर भी सामाजिक चिंतन कर समाज एकजुट होकर निर्णय करेगा।

बैठक को नागौर पार्षद, चेनाराम, रामनिवास सांखला नागौर तुलसीराम सोलंकी मकराना, किशन गोपाल दगदी परबतसर, रामप्रसाद तंवर बिदियाद, लोकेश सैनी परबतसर, मनोज कच्छावा बोरावड, डेगाना अध्यक्ष ताराचंद गहलोत, हरदीनराम जिलिया, धन्नाराम सोलंकी जायल, पन्नालाल सांखला राणीगांव चेन्नार सरपंच खींवसिंह, ताउसर सरपंच आसाराम भाटी, डीडवाना पूर्व चैयरमेन रामाकिशन पंवार, बलदेवराम कच्छावा तरनाऊ आदि समाजबंधुओं ने भी सम्मेलन को संबोधित करते हुए सामाजिक व्यक्ति को तन, मन, धन से समर्थन देने की बात कही।

बैठक में मकराना अध्यक्ष भंवरलाल गहलोत, कैलाश तंवर बिदियाद, नेमीचंद तंवर, रामस्वरूप सोलंकी, सीताराम बनेस्ठिया, तारांचद तंवर, मूलचंद सिंगोडिया बडु, त्रिलोक गहलोत बडु, घनश्याम बागडी, महेन्द्र भाटी, जूसरी उपसरपंच, सत्यनारायण सिंगोदिया बडु, शंकरलाल टांक परबतसर अध्यक्ष, गणपतलाल सोलंकी, राजेश भाटी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे।

हर वर्ग के दुख दर्द में सहभागी बननें वाले वरिष्ठ समाजसेवी के निधन से समाज में शोक की लहर

समाज के दंबग नेता श्री ब्रह्मसिंह परिहार का हुआ निधन, अनेकों लोगों ने दी श्रृंदाजलि

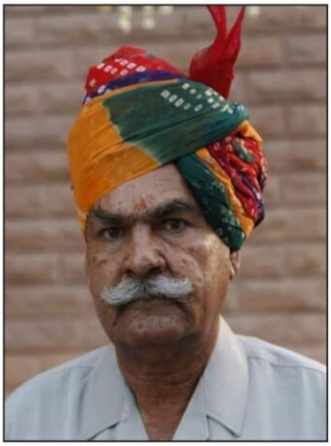

जोधपुर। माली समाज के दिवंगत नेता पूर्व माली संस्थान अध्यक्ष ब्रह्मसिंह परिहार का हुआ निधन। ब्रह्मसिंह परिहार पिछले कुछ समय से बीमार थे तथा उनको नई दिल्ली के वेदांता अस्पताल एयर एंबयूलेंस से ले जाया गया। जहां ईलाज के दौरान 26 सितंबर को उन्होंने ली अतिम सांस।

जैसे ही समाज के सभी वर्गो को पता चला की ब्रह्मसिंह भईसा नहीं रहे अनेकों गणमान्य व्यक्तियों के साथ समाज के सभी वर्गो ने उनके निवास स्थान पर पहुंच उन्हें श्रृंद्वाजलि अर्पित की। उनकी अंतिम यात्रा दिनांक 27 सितंबर को उनके निवास स्थान से रामबाग श्मशान ले जाते समय सैकड़ों की संख्या में लोगों ने उपस्थिति दी तथा क्षेत्र के सभी व्यवसायियों ने अपने प्रतिष्ठान बंद कर उन्हें सम्मान दिया।

उनके आकस्मिक निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि समाज ने एक महान व्यक्तित्व खो दिया है हमेशा सभी के सरलता से उपलब्ध रहने वाले भईसा के उपनाम से प्रसिद्व ब्रह्मसिंह परिहार ने सुमेर स्कूल एवं माली संस्थान के पदाधिकारी के रूप में अनेकों जन कल्याण के कार्य किए। उनके जाने से जो रिक्तता समाज में हुई है उसे कभी पूरी नहीं की जा सकेगा। राजस्थान की मुख्यमंत्री वंसुधरा राजे, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत सहित भाजपा एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ समाज के प्रबुद्वजनों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए परिजनों से मिल इस दुख की घड़ी में संबल प्रदान किया।

ब्रह्मसिंह परिहार का जीवन परिचय :

सैनिक क्षत्रिय माली समाज को सुदृढ़ता के आधार ब्रह्मसिंह परिहार का जन्म एक किसान परिवार में 19 अक्टूबर 1939 को मंगलसिंह परिहार के यहां बासनी तंबोलिया में हुआ। आपने प्राथमिक शिक्षा भदवासिया स्कूल से प्राप्त की थी। मण्डोर निवासी ठेकेदार जेठूसिंह गहलोत की पुत्री राजेश के साथ 26 जून 1968 को आप विवाह सूत्र में बंधे। परिहार बचपन से ही सादा जीवन उच्च विचार के सिद्वान्त पर विश्वास करते थे जिसे अपने अंतिम समय तक आत्मसात किये हुये थे। आप अत्यन्त निर्भीक, स्पष्टवादी व साहसी व्यक्तित्व के धनी रहे। सदा ही समाजोत्थान के कार्यो में व्यस्त रहना आपका स्वभाव था।, जो कि भावी पीढ़ियों के लिए अनुकरणीय है।

परिहार 1972 से निरन्तर सात वर्षो तक श्री सुमेर स्कूल के मैनेजर रहे। इसी प्रकार वर्ष 1990 से लगातार दस वर्षो से अधिक समय तक माली संस्थान जोधपुर के अध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं प्रदान की। आपने सुमेर स्कूल के विकास की ओर विशेष ध्यान देते हुए वहां पर माली धर्मशाला का निर्माण करवाया और अपने भ्राता की स्मृति में सुमेर स्कूल में माणक मंच का निर्माण कर समाज को 1970 में समर्पित किया। 1971 से 1974 तक आपने जोधपुर नगर परिषद के सदस्य के रूप में बहुत ही लगन व सक्रियता से एक पार्षद की भूमिका के दायित्वों का निर्वाह किया।

आपने 1980 व 1993 में जोधपुर में सरदारपुरा एवं भोपालगढ़ विधानसभा का चुनाव भी लड़ा कितुं आप विजयश्री से दोनो समय वंचित रहे, फिर भी आप सहृदयता से समाज सेवा के पुनीत कार्यो में व्यस्त रहे। आप समाज के हित के लिए आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में भाग लेने के लिए, दिल्ली, गुड़गांव, तालकटोरा स्टेडियम आदि में अपनी उपस्थिति एवं मार्गदर्शन देते रहे व निरंतर समजोत्थान हेतु कार्य करते रहे। समाज सेवा के अतिरिक्त आपने बिल्डिंग एवं सड़कों के निर्माण की ठेकेदारी के कार्य भी किए यहीं नहीं आपने बासनी तंबोलिया में फलों की खेती के एक विशेष सुंदर फार्म–हाउस का निर्माण भी किया।

आपके निधन पर माधव पर्यावरण सोसायटी द्वारा आपकी यादों को चिर स्थायी बनानें के लिए आमों के पेड़ लगा श्रृंद्वाजलि अर्पित की गई। सोसायटी के सुभाष गहलोत द्वारा आयोजित शोक सभा में समाज के अनेकों गणमान्य व्यक्तियों ने आपके जीवन में किए परोपकार के कार्यो से सीख लेने की बात कही। माली संस्थान अध्यक्ष पुखराज सांखला ने समाज के नीमा निमणी काण्ड का उल्लेख करते हुए बताया कि समाज के लोगों को बचाने के लिए ब्रह्मसिंह जी ने अपने जीवन को दांव पर लगाया उस काण्ड में आरोपित हुए समाज के अनेकों युवकों को रोज जेल में अपने घर से खाना भेजते थे तथा उनको दोष मुक्त करने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक अपने खर्चे से केस लड़ा कर सभी को बाईज्जत बरी करवाया। परिहार साहब जब कोई कार्य हाथ में लेते थे तो उसे पूरा किए बगैर चैन से नहीं बैठते थे यहीं उनकी विशेषता थी कि समाज के सभी वर्ग न्याय की आस के लिए उनके पास जाते तथा कभी निराश नहीं होते ।

माली सैनी संदेश परिवार दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता है तथा शोकाकुल परिवार के इस दुख की घड़ी में साथ है। समाज ही नहीं अन्य समाज के सभी वर्गो ने भी ब्रह्मसिंह परिहार के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया। समाज में ऐसे महान व्यक्तित्व की कमी कभी पूरी नहीं की जा सकेगी।

मुंबई में अक्षय कुमार ने वाहन की चाबी देकर किया सम्मानित

अजमेर के इंजीनियरिंग छात्र राहुल टाक के बनाए पार्ट्स अब वाहनों में लगेंगे।

अजमेर। समाज के इंजीनियरिंग छात्र द्वारा बनाए उपकरण जल्द ही चार पाहिया वाहनों व ट्रांसफार्मर में लगाए जाएंगे। अजमेर के राहुल टाक ने देश की जानी माली टाटा मोटर्स कंपनी की ओर से पिछले सप्ताह आयोजित ऑनलाइन परीक्षा में 25 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को पछाड़ते हुए अपनी योग्यता का लोहा देशभर में मनवाया है।

ऑनलाइन प्रतियोगिता में प्रदेश से केवल अजमेर के होनहार राहुल टाक का चयन हुआ है। कंपनी के ब्रांड एंबेसेडर बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने इस प्रतिभावान छात्र को कार की चाबी सोंप कर सम्मानित किया है।

एक मिनट का विडियों फिर परिक्षा

अजमेर के खारी कुई निवासी राहुल टाक ने बताया कि उसने जयपुर से इंजीनियरिंग की है। गत दिनों वाहनों में नए ऑयल फिल्टर को लेकर एक कंपनी ने ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन किया था तो ऑयल फिल्टर को लेकर एक मिनट का वीडियो मांगा गया। इसमें सलेक्शन होने के बाद इसके बनने के बाद क्या फायदे रहेंगे इसे लेकर परीक्षा ली गई थी।

ऑयल फिल्टर के आता है काम

राहुल ने विशेष प्रकार का ऑयल फिल्टर तैयार किया है। इस फिल्टर को वाहनों के साथ ट्रांसफार्मर में भी लगाया जा सकता है। राहुल ने बताया कि इसमें जालियां लगाने के साथ कुछ विशेष उपकरण लगाए गए है। इससे ऑयल 136 डिग्री तापमान में भी गरम होने के बाद आग नहीं पकड़ता है इसे बनाकर जब वहां प्रस्तुति दी गई तो सभी ने सराहा। इसे डिहाइड्रेशन मशीन नाम दिया गया है।

देशभर से पांच का हुआ चयन

इस प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन परीक्षा में देशभर से 25 हजार से अधिक इंजीनियर ने भाग लिया था। इसमें से दो सौ का चयन परीक्षा के लिए हुआ। इसमें भी मुंबई की एक निजी कंपनी के इंजीनियरों की टीम ने पांच इंजीनियरों का चयन किया। इसमें से अजमेर, आसाम, छतीसगढ़, पंजाब व बिहार के इंजीनियर थे। माली सैनी संदेश परिवार समाज के प्रतिभावान छात्र राहुल टाक को हार्दिक बधाई प्रेषित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

नि:शुल्क कंप्यूटर कोर्स प्रशिक्षण शुरु

जोधपुर। महिला व बाल विकास विभाग राजस्थान सरकार व राजस्थान नोलेज कारपोरेशन लिमिटेड जयपुर द्वारा चयनित महिलाओं के लिए निरूशुल्क आर.एस.सी.आईटी कंप्यूटर कोर्स का प्रशिक्षण अमृता कंप्यूटर मगरा पूंजला में प्रारंभ किया गया प्रशिक्षण की अवधि 3 माह की होगी। इस अवसर पर चयनित प्रशिक्षणार्थियो को कोर्स की पुस्तके नि: शुल्क प्रदान की गयी। मुख्य अतिथि किशोरसिंह टाक (पार्षद नगर निगम जोधपुर वार्ड न. 62) तथा इस अवसर पर चम्पालाल परिहार, बालकिशन, जगदीश देवडा, मुरली मनोहर सोनी, नरसिंह देवड़ा, चेतन टाक, गोपाल गिरी, गर्विता, पिंटू गहलोत तथा चयनित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

अमृता कंप्यूटर मगरा पूंजला जोधपुर के निदेशक हुक्माराम टाक ने सभी का आभार प्रकट किया।

चैनपुरा में बुराई रुपी 10 द्वारपालों के साथ दशानन व परिजनों के पुतलों का दहन, हजारों बने साक्षी

जोधपुर। रावण दहन के लिए गोधूलि वेला के साथ श्रवण नक्षत्र का होना जरूरी माना गया है। यह नक्षत्र गुरुवार मध्य रात्रि 2 बजे तक ही था। इसी कारण शहर में विजयादशमी से एक दिन पहले गुरुवार को रावण दहन किया गया। दैनिक भास्कर व श्री नारायण सेवा समिति की ओर से मंडोर क्षेत्र के चैनपुरा स्थित रामतलाई नाडी में दशानन का दहन किया गया। यहां 70 फीट के रावण, 50–50 फीट के कुंभकर्ण व मेघनाद और बुराई रूपी 10 द्वारपालों के पुतलों के पास सोने की लंका सजाई गई। शस्त्र पूजन के बाद दोपहर 2.30 बजे अमृतलाल स्टेडियम से रामजी की सवारी निकली, जो शाम 5.30 बजे दहन स्थल पहुंची। यहां हजारों लोगों की उपस्थिति में भव्य आतिशबाजी व जय श्रीराम के उद्घोष के बीच समाजसेवी लक्ष्मणसिंह सांखला ने रिमोट से रावण दहन किया।

चैनपुरा में दूसरी बार रावण दहन हुआ, हालांकि पिछली बार चैनपुरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम की जगह बदलकर इस बार रामतलाई नाडी की गई। मेला मैदान में पांच बजे से पहले ही लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया, कुछ देर में रामतलाई नाडी मैदान लोगों से खचाखच भर गया। सड़क, आसपास के मकानों की छतों पर भी लोग जमा थे। गोधूलि वेला में सेनाचार्य अचलानंद गिरि महाराज, संत हरिराम शास्त्री व समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी किशनसिंह देवड़ा की मौजूदगी में रावण दहन कार्यक्रम शुरू हुआ। इससे पहले संत रामप्रसाद महाराज (लालसागर) व महामण्डलेश्वर कुशालगिरी महाराज के सान्निध्य में शस्त्र पूजन भी किया गया। नाडी मैदान में प्रशिक्षक डॉ. महेश परिहार के मार्गदर्शन में आर्य वीर और आर्य वीरांगनाओं ने हैरतअंगेज कारनामे दिखाए।

चौनपुरा रामतलाई नाडी प्रागंण में श्री नारायण सेवा समिति मंडोर के अध्यक्ष मनोहरसिं ह सांखला के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में समिति की ओर से सर्व समाज के लोगों का स्वागत–सम्मान किया गया। इसमें माली समाज जोधपुर के अध्यक्ष पुखराज सांखला, ब्राह्मण समाज के हस्ती मल सारस्वत, कमल जोशी, अग्रवाल समाज के एलएन जालानी, रामअवतार अग्रवाल, जैन समाज के राजेश गुलेच्छा व घांची समाज के गौरीशंकर बोराणा सहित अनेक समाज के गणमान्य लोगों को साफा पहना व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बतौर अतिथि आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक नंदलाल जोशी, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत, उत्कर्ष के डायरेक्टर निर्मल गहलोत, पूर्व मंत्री राजेंद्र गहलोत, नरेश सुराणा, महेश गहलोत, शिवनारायण कच्छवाह, रामस्वरूप भूतड़ा सहित अनेक गणमान्य लोग बतौर अतिथि और समिति के सुखसिंह कच्छवाह, हनुमानसिंह गहलोत, भंवरचंद सोलंकी, मोहनसिंह गहलोत, रमेश माली, अखेसिंह टाक, सुभाष गहलोत, जगदीश देवड़ा, भंवरचंद सोलंकी, नरपत सांखला, रमेश गहलोत, प्रेमसिंह सांखला, रामेश्वर गहलोत, हेमंत गहलोत, राजेश, करणसिंह भाटी, लक्ष्मणसिंह गहलोत, कुंती देवड़ा, नरपत सांखला, संतोष चौहान, धीरेंद्र गहलोत,

कुशजीत कच्छवाह, भूरसिंह कच्छवाह, छंवरलाल टाक, चेतन गहलोत, संदीप परिहार, अनिल कच्छवाह, लालसिंह सांखला, जगदीश परिहार सहित अनेक लोग मौजूद थे।

दैनिक भास्कर व नारायण सेवा समिति के दशहरा महोत्सव में देशद्रोही, रिश्वतखोर दुराचारी, पाखंडी, जमाखोर व विश्वास घाती जैसी बुराइयों के पुतले भी जलाए। घूसखोरी, देशद्रोही पुतले भी जलाए

हनुमान बने बालक ने लंका जलाई। रमेश माली व वानर सेना ने देशद्रोही, रिश्वत खोर, दुराचारी, पाखंडी, जमाखोर रूपी पुतलों का दहन किया। कुंभकर्ण के पुतले का जयंत सांखला व मेघनाद के पुतले का ठेकेदार छगनीराम ने दहन किया। रावण के पुतले को लक्ष्मणसिंह सांखला (बबलू सा) ने दहन किया। इससे पहले अमृतलाल स्टेडियम से अपराह्न ढाई बजे बैंड–बाजों व ढोल–थाली के साथ भगवान श्रीराम की सवारी रवाना हुई, जो नयापुरा, लालसागर होते रामतलाई नाडी पहुंची। सवारी के साथ विभिन्न झांकियां भी सजी थी। रामजी की सवारी का जगह–जगह स्वागत किया गया।

पूर्व सीएम गहलोत के बड़े भाई कंवरसेन गहलोत का हार्टअटैक से निधन

बड़े भाई की अंत्येष्टि में शरीक हुए अशोक गहलोत

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित हजारों लोगों ने अर्पित की श्रृद्धांजलि

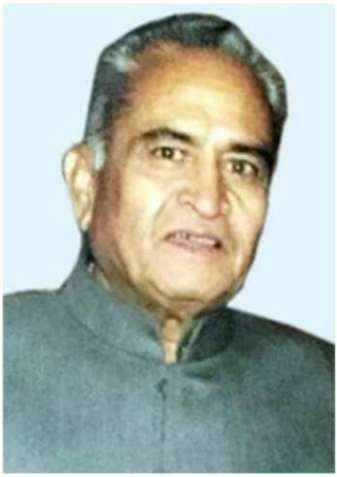

जोधपुर। पूर्व सीएम व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अशोक गहलोत के बड़े भाई एवं समाजसेवी राजेश गहलोत के पिताश्री कंवरसेन गहलोत (82) का 18 सितंबर गुरुवार शाम हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनके निधन की सूचना के बाद गहलोत जयपुर से जोधपुर के लिए रवाना हो गए।

गहलोत के मौसेरे भाई दौलतसिंह सांखला का भी गुरुवार सुबह निधन हो गया था। रामबाग में दोपहर बाद सांखला की अंत्येष्टि कर दी गई। पावटा क्षेत्र के लाल मैदान में रहने वाले कंवरसेन को हार्ट अटैक के बाद महामंदिर क्षेत्र के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव उनके घर पर रखा गया। उनके निधन की सूचना के बाद लाल मैदान में काफी संख्या में गहलोत के रिश्तेदार, परिजन तथा कांग्रेसी अंतिम दर्शन के लिए एकत्रित हो गए। रामबाग स्थित माली समाज के स्वर्गाश्रम में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। कंवरसेन के पुत्र राजेश गहलोत हैं। कंवरसेन से छोटे अग्रसेन गहलोत व अशोक गहलोत हैं। चौथे भाई विक्रम गहलोत का पहले ही निधन हो चुका है।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बड़े भाई कंवरसेन गहलोत की शुक्रवार को रामबाग स्थित स्वर्गाश्रम में अंत्येष्टि कर दी गई। अंत्येष्टि में प्रदेश के कई कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी शामिल हुए। शनिवार को लाल मैदान में शोकसभा में मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट सहित कई नेता शिरकत की। गहलोत सुबह जोधपुर पहुंचे और लाल मैदान स्थित अपने भाई के निवास स्थान पर गए। वहां पार्थिव देह के दर्शन के बाद शव यात्रा रवाना हुई। इसमें गहलोत व उनके पुत्र वैभव

गहलोत सहित कई जने चल रहे थे। रामबाग स्वर्गाश्रम में अंतयेष्टि के दौरान कई वरिष्ठ कांग्रेसी शामिल हुए। इनमें प्रतिपक्ष नेता रामेश्वर डूडी, पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़, जोधपुर प्रभारी सत्येंद्र भारद्वाज, सांसद रघु शर्मा, नारायण पंचारिया, पूर्व सांसद लालचंद कटारिया, पूर्व मंत्री बीडी कल्ला सहित कई कांग्रेस नेता शामिल थे। गौरतलब है कि गहलोत के बड़े भाई कंवरसेन का गुरुवार शाम हार्ट का निधन हो गया था।

माली समाज के पदाधिकारियों एवं अनेकों स्वयंसेवी संस्थाओं के सर्व समाज के लोगों ने भी शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान किया। माली सैनी संदेश परिवार ईश्वर से प्रार्थना करता है कि दिवगंत आत्मा को शांति प्रदान करें एवं परिजनों को यह असीम दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी समाजसेवी राजेश गहलोत के पिताश्री के आकस्मिक निधन पर उनके दुख में सहभागी है।

सुविचार

कर्म वहीं करना चाहिए, जिसमें दूसरों की दुआएं मिलती हों, दूसरों को तकलीफ न दो। सबका भला सोचो तो सबकी दुआएं खुद-ब-खुद मिल जाती है, तब आपके कर्म ही यादगार बन जाते हैं ओर लोग आपको याद करते हैं, इसलिए खुशी लो और खुशी दो, दुआएं लो, दुआएं दो।

श्री नारायण सेवा समिति मंडोर, जोधपुर द्वारा आयोजित

15 सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि सम्मानित, चौथे सामूहिक विवाह समारोह में 25 जोड़ों का रखा लक्ष्य

जोधपुर। श्री नारायण सेवा समिति मंडोर की ओर से आयोजित समारोह में क्षेत्र की 15 सामाजिक व स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अतिथि के रूप में सुमेर शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष नरेंद्र कच्छवाह ने कहा, कि सामाजिक सरोकार के कार्यों में सभी की भागीदारी रहने से आयोजन में सफलता मिलती है।

उन्होंने पिछले दिनों रामतलाई प्रांगण में आयोजित दशहरा महोत्सव के सफल आयोजन में सहयोग करने वाली सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, कि परिश्रम और मिलजुल कर कार्य करने से सफलता मिलती है। इस अवसर पर संपतसिंह भाटी व समिति के अध्यक्ष मनोहरसिंह सांखला ने भी विचार व्यक्त किए। श्री नारायण सेवा समिति का आयोजन, जनवरी में होने वाले सामूहिक विवाह समारोह के लिए पंजीयन 1 से 15 जनवरी को होगा सामूहिक विवाह, पोस्टर का विमोचन कार्यक्रम में समिति की ओर से आगामी 15 जनवरी को चतुर्थ सामूहिक विवाह समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसमें 25 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य रखा गया है। विवाह के लिए रजिस्ट्रेशन 1 नवंबर से प्रारंभ होंगे, जो 25 दिसंबर तक चलेगा। सम्मान समारोह में लक्ष्मणसिंह सांखला, ठेकेदार छगनीराम, ओमप्रकाश गहलोत, रणजीतसिंह गहलोत, मोहनसिंह गहलोत, हनुमान सिंह गहलोत, सुखसिंह कच्छवाह, कल्याणसिंह सांखला, श्रवणसिंह गहलोत, भंवरचंद सोलंकी सहित अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थित रही।

विभिन्न सामाजिक संस्था के पदाधिकारियों को किया सम्मानित :श्री नारायण सेवा समिति के अध्यक्ष सांखला ने बताया, कि समारोह में सैनिक क्षत्रिय रामतलाई संरक्षण संस्था के अध्यक्ष बलवीर सिंह भाटी, मुस्कान सच्ची सेवा के धनराज बागरेचा, वीएचपी मंडोर प्रखंड के महेंद्रसिंह गहलोत, महामंदिर प्रखंड के प्रदीप देवड़ा, माधव पर्यावरण सोसायटी के सुभाष गहलोत, जेबीएम स्कूल डायरेक्टर जयंती सांखला, पूंजला नाडी संरक्षण एवं पर्यावरण संस्थान संयोजक राकेश सांखला, देवड़ा मार्केट नृसिंह प्याऊ के जगदीश देवड़ा, बृज बावड़ी युवा सेवा समिति के दशरथ सिंह सांखला, दिलीप नगर विकास समिति के उपाध्यक्ष रमेशचंद्र माली, मित्र मंडल मंडोर के छंवरलाल टाक, नृसिंह विहार विकास समिति के कुशजीतसिंह कच्छवाह, फ्रेंड क्लब नयापुरा के लक्ष्मण परिहार के साथ अन्य संगठनों के संदीप चौहान, संपतसिंह भाटी और गोविंद गहलोत को सम्मानित किया गया।

बेटियों ने पिता को दी मुखाग्नि, निभाया बेटे का फर्ज

शाहपुरा। जयपुर के शाहपुरा में एक बेटी ने अपने पिता को मुखाग्नि देकर उनका अंतिम संस्कार किया। मृतक का कोई बेटा नहीं था बलिक 5 बेटियां है। श्मशान पर उस समय लोगों के आंसू छलक पड़े जब एक बेटी ने श्मशन में रूढ़ीवादी परंपराओं के बंधन को तोड़ते हुए अपने पिता का अंतिम संस्कार किया। उसने बेटा बनकर हर फर्ज को पूरा किया जिसकी हर किसी ने तारीफ की।

अंतिम संस्थार में वह रोती रही, पापा को याद करती रही, लेकिन बेटे की कमी को हर तरह से पूरा किया। अंतिम संस्थार में पहुंचें लोगों ने कहा कि एक पिता के लिए अंतिम विदाई इससे अच्छी क्या हो सकती है। जब पुरानी पंरपरा को तोड़ते हुए बेटियों ने बेटे के फर्ज निभाया। दरअसल, ज्यादातर ऐसी बातें होती है कि बेटा कुल का दीपक होता है, बेटे के बिना माता पिता को मुखाग्नि कौन देगा लेकिन अब यह बातें बीते जमाने की हो गई, यह साबित किया है शाहपुरा की बेटी ने ऐसी ही पुरानी कुरीति एक बार फिर टूटी। बड़ी बेटी संजना देवी सैनी ने पिता को न सिर्फ मुखाग्नि दी, बल्कि अंतिम संस्कार की हर वह रस्म निभाई, जिनकी कल्पना कभी एक पुत्र से की जाती थी। सूत्रों की जानकारी के अनुसार नगर पालिका वार्ड नं. 5 सियाला की ढ़ाणी में रामचंद्र सैनी का बीमारी के चलते निधन हो गया। रामचंद्र सैनी की मृत्यु के बाद उनकी 3 बेटियों ने हिन्दू रीति–रिवाज के साथ अंतिम संस्कार के सारे फर्ज पूरे किए। हमें गर्व है हमारे समाज की बेटियों पर जिन्होंन अपने पिता की अंतिम संस्कार को कर बेटे की कमी को पूरा किया।

दोनों बेटियों की सरकारी नौकरी, पिता ने ओटो चलाकर किया बेटियों को शिक्षित बेटियों ने बढ़ाया ऑटो चालक पिता का मान

सीकर। यदि मन में कुछ करने का जुनून हो तो मुसीबत खुद राह से हट जाती है। बचपन से घर में अभाव देखे लेकिन मन में एक जूनून सरकारी नौकरी हासिल कर माता पिता के चेहरे पर खुशी लाने का। पिता ऑटो चालक और माता गृहणी। लेकिन बेटियों ने अपनी सफलता का परचम लहराया है। यह कहानी है शहर के राधाकिशनपुरा निवासी ऑटो चालक मुरारका प्रसाद सैनी की। उनकी दो बेटियों का तीन महीने में राजकीय सेवा में चयन होगया है। सैनी ने रिक्शा चलाकर अपनी बेटियों के सपनों को पूरा करने में जुटा रहा। बकौल सैनी, बचपन से ही बेटियों की पढ़ाई के लिए संघर्ष किया।

जानकारी के अनुसार बड़ी बेटी किरण सैनी पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावटी विश्वविद्यालय में कनिष्क लेखाकार पद पर कार्यरत है। छोटी बेटी लक्ष्मी सैनी ने अजमेर विद्युत विभाग के सबलपुरा पावर हाउस सीकर के एक्सईएन विजिलेंस टीम में कनिष्क लेखाकार के पद पर नियुक्ति मिली है। सैनी का कहना है बेटियों को सक्षम करना आज आवश्यक हो गया है।

19 नवबंर को कामां में होगा सामूहिक विवाह अब तक 9 जोड़ों का हुआ रजिस्ट्रेशन

कामां। देवउठनी एकादशी के पर्व पर 19 नवबंर को कामां में आयोजित होने वाले सैनी समाज आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियां जोरों पर चल रही है। प्रचार प्रसार के लिए आनंदस्वरूप सैनी डीलर, रूपबंसत सैनी जिलाध्यक्ष तथा तेजसिंह सैनी पार्षद के नेतृत्व में गठित तीन विभिन्न टीमों के द्वारा रविवार को सतावड़ी, भेंसेड़ा, मंहमदंपुर, पहाड़ी, फिरोजपुर, झिरका, तिजारा, दोहा, अगोहन, मुंडाका, मोहनपुरा, नोगावां, सुंहैड़ा, मालपुरा, बीजूआ, अलावड़ा, पूठका, 12 गांव घाटी ऊपर, निहाम समेत कुल 40 गांव में प्रचार प्रसार किया।

सैनी समाज की एक टीम लालाराम टाइपिस्ट के नेतृत्व में कामां स्थित कार्यालय पर विवाह हेतु जोड़ों का पंजीयन कर रही है। उल्लेखनीय है कि सैनी समाज के द्वारा कामां में सैनी समाज सामूहिक आदर्श विवाह समारोह का आयोजन रामलीला मैदान कोट पर 19 नवबंर को किया जाएगा जिसमें विवाह पंजीयन की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर, रखी गई है। अंतिम तिथि के बाद किसी भी जोड़े का पंजीयन नहीं किया जायेगा। सैनी समाज के जिलाध्यक्ष रूपबंसत सैनी ने बताया कि अबतक 9 जोड़ो का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है तथा अन्य जोड़ों के जल्द ही रजिस्ट्रेशन कराने की संभावना है।

समाज की टीम में शिवराम पार्षद, अशोक पार्षद, देवेन्द्र सैनी, मुकेश प्रिंसिपल, दोलत अध्यापक, दयाचंद शास्त्री इंद्रौली, तिलकराज देहली, इंद्रजीत बाबू, कन्हैया कम्पाउंडर, रमन पीटीआई, राजू ठेकेदार, महेन्द्र बरौलिया, खुशीराम डाबकिया, कन्हैया, छगन बाबूजी, लक्ष्मीनारायण पटवारी, हरीश सैनी अध्यक्ष 12 गांव घाटी, नीचे, चेतन गहलोत, चुम्मन गहलोत, हजारी होमगार्ड, सर्वेश वकील, दीपक इंस्ट्रक्टर, योगेश अध्यापक आदि शामिल है।

सैनी समाज विकास समिति का सम्मान समारोह 11 नवंबर को

गंगापुर सिटी। सैनी माली समाज विकास समिति के तत्वावधान में में होने वाले प्रतिभाशाली सम्मान समारोह जो 21 अक्टूबर को होने वाला था, अब 11 नवंबर को आयोजित किया जाएगा।

अध्यक्ष हरीचरण सैनी ने बताया कि समाज संस्थान की बैठक में यह निर्णय किया कि अंक तालिका 7 नवंबर तक जमा करा सकते है। बैठक में बच्चू लाल सैनी, दिनेश, भौरीलाल, रामकेश, कैलाश सैनी, खिलाड़ी, ओमप्रकाश, सीताराम, रामसिंहा, श्यामलाल आदि समाज के लोग मौजूद थे।

माली सैनी संदेश के आजीवन सदस्यता सूची

श्री रामचंद्र गोविंदराम सोलंकी, जोधपुर
श्री नरेश स्व. श्री बलदेवसिंह गहलोत,जोधपुर
श्री प्रभाकर टाक (पूर्वअध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बाबूलाल(पूर्व अध्यक्ष नगर पालिका), पीपाड़
श्री बंशीलाल मरोठिया, पीपाड़
श्री बाबूलाल पुत्र श्री दयाराम गहलोत, जोधपुर
श्री सोहनलाल पुत्र श्री हापुराम देवड़ा, मथानियां
श्री अमृतलाल पुत्र श्री ब्रह्मसिंह परिहार, जोधपुर
श्री भोमाराम पंवार(पूर्व उपा., नगरपालिका, बालोतरा
श्री रमेशकुमार पुत्र श्री शंकरलाल गहलोत, बालोतरा
श्री लक्ष्मीचंद पुत्र श्री मोहनलाल सुंदेशा, बालोतरा
श्री वासूदेव पुत्र श्री बाबूलाल गहलोत, बालोतरा
श्री मेहश पुत्र श्री भगवानदास चौहान, बालोतरा
श्री हेमाराम पुत्र श्री रूपाराम पंवार, बालोतरा
श्री छगनलाल पुत्र श्री मिश्रीलाल गहलोत, बालोतरा
श्री सोनाराम पुत्र श्री देवाराम सुंदेशा, बालोतरा
श्री सुजाराम पुत्र श्री पुनम सुंदेशा, बालोतरा
श्री नरेन्द्रकुमार पुत्र श्री अणदाराम पंवार, बालोतरा
श्री शंकरलाल पुत्र श्री मिश्रीमल परिहार, बालोतरा
श्री घेवरचंद पुत्र श्री भोमजी पंवार, बालोतरा
श्री रामकरण पुत्र श्री किशनाराम माली, बालोतरा
श्री रतन पुत्र श्री देवजी परिहार, बालोतरा
श्री मोहनलाल पुत्र श्री रतनाजी परमार, बालोतरा
श्री कैलाश काबली(अध्यक्ष माली समाज), पाली
श्री घीसाराम देवड़ा(मं. महामंत्री, भाजपा), भोपालगढ़
श्री शेषाराम पुत्र श्री मांगीलाल टाक, पीपाड़
श्री बाबूलाल माली,(पूर्व सरपंच, महिलावास) सिवाणा
श्री रमेशकुमार सांखला, सिवाणा
श्री श्रवणलाल कच्छवाहा, लवेरा बावड़ी
संत श्री हजारीलाल गहलोत, जैतारण
श्री मदनलाल गहलोत, जैतारण
श्री राजूराम सोलंकी, जालोर
श्री जितेन्द्र जालोरी, जालोर
श्री देविन लच्छाजी परिहार, डीसा
श्री हितेशभाई मोहनभाई पंवार, डीसा
श्री प्रकाश भाई नाथालाल सोलंकी, डीसा
श्री मगनलाल गोगाजी पंवार, डीसा
श्री कांतिभाई गलबाराम सुंदेशा, डीसा
श्री नवीनचंद दलाजी गहलोत, डीसा
श्री शिवाजी सोनाजी परमार, डीसा
श्री पोपटलाल चमनाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री भोगीलाल डायाभाई परिहार, डीसा
श्री मुकेश ईश्वरलाल देवड़ा, डीसा
श्री सुखदेव वक्ताजी गहलोत, डीसा
श्री दरगाजी अमराजी सोलंकी, डीसा
श्री भरतकुमार परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री जगदीश कुमार रमाजी सोलंकी, डीसा
श्री किशोरकमुार सांखला, डीसा
श्री बाबूलाल गीगाजी टाक, डीसा
श्री देवचंद, रगाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सतीशकुमार लक्ष्मीचंद सांखला, डीसा
श्री गणपतलाल नारायण सोलंकी, डीसा
श्री रमेशकुमार भूराजी परमार, डीसा
श्री वीराजी चेलाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री सोमाजी रूपाजी कच्छवाहा, डीसा
श्री शंकरलाल नारायणजी सोलंकी, डीसा
श्री फुलाजी परखाजी सोलंकी, डीसा
श्री अशोककुमार पुनमाजी सुंदेशा, डीसा
श्री देवाराम पुत्र श्री मांगीलाल परिहार, जोधपुर
श्री संपतसिंह पुत्र श्री बींजाराम गहलोत, जोधपुर
श्री भगवानराम पुत्र श्री अचलुराम गहलोत, जोधपुर
श्री जितेन्द पुत्र श्री प्रेमसिंह कच्छाहा, जोधपुर
श्री सीताराम पुत्र श्री रावतमल सैनी, सरदारशहर
श्री जीवनसिंह पुत्र श्री शिवराज सोलंकी, जोधपुर
श्री घेवरजी पुत्र श्री भोमजी, सर्वोदय सोसायटी, जोधपुर
श्री जयनाराण गहलोत, चौपासनी चारणान, मथानियां
श्री अशोककुमार, श्री लक्ष्मीनारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री मोहनलाल, श्री पुरखाराम परिहार, चौखा, जोधपुर
श्री प्रेमकिशन पुत्र श्री भंवरलाल सोलंकी, चौखा
श्री हरीसिंह पुत्र श्री चुन्नीलाल गहलोत, जैसलमेर
श्री विजय परमार, तुषार मोटर्स एण्ड कंपनी, भीनमाल
श्री भंवरलाल पुत्र श्री किस्तुर सोलंकी, भीनमाल
श्री शिवलाल परमार, भीनमाल
श्री ओमप्रकाश परिहार, राजस्थान फार्मेसिया, जोधपुर
श्री प्रेमप्रकाश सैनी, मिलन रेस्टोरेण्ट, सीकर
श्री लक्ष्मीकांत पुत्र श्री रामलाल भाटी, सोजतरोड़
श्री रामअकेला, पुत्र श्री गोकुलराम सैनी, पीपाड़ शहर
श्री नरेश देवड़ा, देवड़ा मोटर्स, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह सांखला, सांखला सिमेंट, जोधपुर
श्री कस्तुरराम पुत्र श्री हिमाजी सोलंकी, भीनमल
श्री सांवरराम परमार, भीनमाल
श्री भारताराम परमार, भीनमाल
श्री विजय पुत्र श्री गुमानराम परमार, भीनमाल
श्री डी. डी. पुत्र श्री भंवरलाल भाटी, जोधपुर
श्री ब्रजमोहन पुत्र स्व. श्री रामस्वरूप परिहार, जोधपुर
श्री प्रेमसिंह पुत्र श्री किशोरलाल परिहार, जोधपुर
श्री जयसिंह पुत्र श्री ओमदत्त गहलोत, जोधपुर
श्री मनोहरलाल पुत्र श्री मदनलाल गहलोत, जोधपुर
श्री समुन्द्रसिंह पुत्र श्री नारायणसिंह परिहार, जोधपुर
श्री हिम्मतसिंह पुत्र श्री हरीसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमानसिंह पुत्र श्री बालूराम सैनी, आदमपुरा
श्री अशोक सांखला, पीपाड़
श्री अशोक पुत्र श्री सोहन सांखला, जोधपुर
श्री नटवरलाल माली, जैसलमेर
श्री दिलीप तंवर, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह पंवार, जोधपुर
श्री संपतसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री जगदीश सोलंकी, जोधपुर
श्री मुकेश सोलंकी, जोधपुर
श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर
श्री अमित पंवार, जोधपुर
श्री राकेशकुमार सांखला, जोधपुर
श्री रविन्द्र गहलोत, जोधपुर
श्री रणजीतसिंह भाटी, जोधपुर
श्री तुलसीराम कच्छवाहा, जोधपुर
सैनी उच्च माध्यमिक विद्यालय, भोपालगढ़
माली श्री मोहनलाल परमार, बालोतरा
श्री अरविंद सोलंकी, जोधपुर
श्री सुनील गहलोत, जोधपुर
श्री कुंदनकुमार पंवार, जोधपुर
श्री मनीष गहलोत, जोधपुर
श्री योगेश भाटी, अजमेर
श्री रामनिवास कच्छवाहा, बिलाड़ा
श्री प्रकाशचंद सांखला, ब्यावर
श्री झूमरलाल गहलोत, जोधपुर
श्री गुमानसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री अशोक सोलंकी, जोधपुर
श्री महावीर सिंह भाटी, जोधपुर
श्री जयप्रकाश कच्छवाहा, जोधपुर
श्री अशोक टाक, जोधपुर
श्री नरेन्द्रसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री मदनलाल गहलोत, सालावास, जोधपुर
श्री नारायणसिंह कुशवाहा, मध्य प्रदेश
श्री भंवरलाल देवड़ा, बावड़ी, जोधपुर
श्री जवाराराम परमार, रतनपुरा (जालोर)
श्री रूड़ाराम परमार, सांचौर
श्री जगदीश सोलंकी, सांचौर
श्री कपूरचंद गहलोत, मुबंई
श्री टीकमचंद प्रभुराम परिहार, मथानिंया
श्री अरूण गहलोत, गहलोत क्लासेज, जोधपुर
श्री विमलेश नेनाराम गहलोत, मेड़तासिटी (नागौर)
श्री कैलाश ऊँकारराम कच्छवाहा, जोधपुर
माली (सैनी) सेवा संस्थान सब्जी मण्डी, पीपाड़
श्री मदनलाल सांखला, बालरंवा
श्री भीकाराम खेतारम देवड़ा, कुड़ी फार्म, तिंवरी
श्री गणपतलाल सांखला, तिंवरी
श्री रामेश्वरलाल गहलोत, तिवंरी
श्री देवाराम हिरालाल माली, मुंबई,

हार्दिक बधाई

डिसा नगरपालिका के पूर्व प्रमुख प्रविण भाई माली सुपुत्र पूर्व विधायक डिसा गुजरात गोरधन जी माली जो दक्षिण कोरिया में संयुक्त राष्ट्र (युनाईट नेशन्स) द्वार आयोजीत सम्मेलन में भाग लेने का गौरव प्राप्त हुआ हे जिसमे 135 देशो के प्रतिनिधि भाग लेंगे और प्रवीण भाई माली पुरे भारत का प्रतिनिधितव कर समाज को गौरवान्वित किया है।

माली युवा सेवा संस्थान भीलवाड़ा के चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हुये। जिसमें अध्यक्ष नानूराम जी गढ़वाल, कोषाध्यक्ष सोमदेव जी कच्छावा, और सचिव पद पर रोशन जी गढ़वाल विजयी हुए।

श्रीमान शरद तंवर के एडीजे पद पर प्रमोशन होने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपने हमें और समाज को गौरवान्वित किया है हम आपके उज्ज्वल भविष्य की मंगकामनाएं करते है।

अर्जेंटीना में हुए यूथ ओलंपिक अंडर– 18 में सिल्वर मेडल जीत शिवम कुशवाहा ने समाज को किया गौरवान्वित

श्री घनश्याम झुमरलाल टाक, खेजड़ला
श्री मिश्रीलाल जयनारायण कच्छवाहा, चौखा, जोधपुर
अखिल भारतीय माली (सैनी) सेवा सदन, पुष्कर
श्री सुगनाराम पुत्र श्री बुधाराम भाटी, पीपाड़ शहर
श्री पारसराम पुत्र श्री जयसिंह सोलंकी, जोधपुर
श्री रूपचंद पुत्र श्री भंवरलाल मरोठिया, पुष्कर
श्री धनाराम पुत्र श्री जुगाराम गहलोत,सालावास, जोधपुर
श्री कृपाराम पुत्र श्री आईदान सिंह परिहार, चौखा,जोधपुर
सरपंच श्री रामकिशोर पुत्र श्री हप्पाराम टाक, बालरवां
श्रीमती अंजू(पं.समिति सदस्य), सुपुत्री श्री ढ़लाराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री केवलराम पुत्र श्री शिवराम गहलोत, चौपासनी चारणान
श्री रामेश्वर पुत्र श्री सवाई राम परिहार, मथानियां
सरपंच श्रीमती मिनाक्षी पत्नी श्री चद्रसिंह देवड़ा, मथानियां
सरपंच श्रीमती गुड्डी पत्नी श्री खेताराम परिहार, तिंवरी
श्री अचलसिंह पुत्र श्री रूपाराम गहलोत, तिंवरी
श्रीमती रेखा(उप प्रधान) पत्नी श्री संजय परिहार, मथानियां
श्री चैनाराम पुत्र श्री माणकराम देवड़ा, मथानियां
श्री अरविंद पुत्र श्री भंवरलाल सांखला, मथानियां
श्री उम्मेद सिंह टाक पुत्र स्व. सेठ श्री कनीराम टाक, जोधपुर

श्री गिरधारीराम पुत्र श्री राजुराम कच्छवाहा, खींवसर
श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह गहलोत
श्री मदनलाल (ग्राम सेवक) पुत्र श्री सोमाराम गहलोत, मथानियां
श्री लिखमाराम सांखला पुत्र श्री छोटुराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
सरपंच श्रीमती संजू पत्नी श्री हुकमाराम सांखला, रामपुरा भाटियान, तिंवरी
श्री श्यामलाल पुत्र श्री मांगीलाल गहलोत, मथानियां त. तिंवरी
श्री खेताराम सोलंकी, लक्ष्मी स्टोन कटिंग, पीपाड़ शहर
श्री गोबरराम पुत्र श्री हरीराम कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री शंभु पुत्र श्री मूलचंद गहलोत, अजमेर
श्री रामनिवास पुत्र श्री पूनाराम गहलोत, जोधपुर
श्री धर्माराम सोलंकी, सोलंकी खाद बीज, जोधपुर
श्री धनराज पुत्र श्री राणाराम सोलंकी, पीपाड़ शहर
श्री संपतराज पुत्र श्री बाबूलाल सैनी, पीपाड़ शहर
सी. ए. श्री महेश पुत्र श्री आनंदीलाल गहलोत, जोधपुर
श्री हनुमान सिंह गहलोत, हनुमान टेंट हाऊस, जोधपुर
श्री मयंक पुत्र श्री दीनदयाल देवड़ा, जोधपुर
श्री नित्यानंद पुत्र श्री धनसिंह सांखला, जोधपुर
श्री महेश पुत्र श्री अमरसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री धनसिंह गहलोत, जोधपुर
श्री कैलाश पुत्र श्री श्यामलाल गहलोत, जोधपुर,

श्री भारतसिंह पुत्र श्री लिखमाराम कच्छवाहा, जोधपुर
श्री संदीप पुत्र श्री नृसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री धमेन्द्र पुत्र श्री संतोष सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री निर्मल सिंह (एस.ई.)पुत्र श्री भजनसिंह कच्छवाहा, जोधपुर
श्री महेन्द्रसिंह कच्छवाहा(चैयरमेन, पीपाड़) पुत्र श्री पुखराज कच्छवाहा, पीपाड़
श्री अमृतलाल टाक पुत्र श्री चेनाराम टाक, बुंचकला, पीपाड़
श्री चांदरतन पुत्र श्री माणकचंद सांखला, बीकानेर
श्री कमलेश पुत्र श्री मुल्तान सिंह कच्छवाहा, पीपाड़ शहर
श्री सहीराम पुत्र श्री हिन्दुराम गहलोत, पीपाड़ शहर
श्री मनमोहन पुत्र श्री मनोहर सिंह सांखला, जोधपुर
श्रीमती कमला धर्मपत्नी श्री रमेशचंद्र माली, जोधपुर
श्री दशरथ पुत्र श्री विशन सिंह गहलोत, जोधपुर
श्री राजकुमार पुत्र श्री रतनलाल सोलंकी, जोधपुर
श्री मेवाराम पुत्र स्व. श्री नारायण सोलंकी, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री हरीराम सोलंकी, जोधपुर
डॉ. हिरालाल पुत्र श्री मादुराम पंवार, जोधपुर
श्री गंगाराम पुत्र श्री किशनलाल सोलंकी, जोधपुर

माली सैनी सन्देश

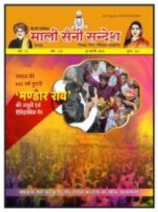

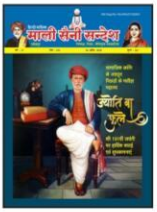

ही क्यों ?

क्योंकि

हमारे पास है सैकड़ों एन. आर. आई. सहित पांच हजार पठकों का विशाल संसार

क्योंकि

हम बताते है सच्चाई तथा सामाजिक गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी जो कि समाज में हो रही है।

हमें विज्ञापन दीजिये

क्योंकि
हमारी क्रियेटिव टीम के साथ
यह सजाती है आपके ब्राण्ड को पूरे
देश ही नहीं विदेशों में भी

RATES

Advertisements

COLOR (Full Page)

Back Cover	10,000/-
Inside Cover	5,000/-

BLACK

Full Page	2,500/-
Half Page	1,500/-
Quarter Page	1,000/-

write us : P. O. Box 09, Jodhpur
Cell : 94144 75464,
log on : www.malisainisandesh.com
e-mail : malisainisandesh@gmail.com
e-mail : editor@malisaini.org

कार्यालय : 3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरपुरा, जोधपुर

घर बैठे माली सैनी संदेश मंगाने के लिए भर कर भेजें

सदस्यता फार्म

दिनांक ____________

माली सैनी संदेश पत्रिका देश के प्रत्येक राज्य के प्रमुख शहरों के साथ ही ग्रामिण क्षेत्रों में माली सैनी समाज के लोगों की जानकारियों आपको विगत 14 वर्षो से हर माह पहुंचाकर समाज के विभिन्न वर्गों में हो रहे समाज उत्थान एवं शिक्षा तथा अन्य क्षेत्र के विकास कार्यो की जानकारी प्रदान कर रहा है। समय समय पर समाज के विभिन्न आयोजनों की भी विस्तृत जानकारी पत्रिका के प्रकाशन के माध्यम से सभी को उपलब्ध कराई जा रही है। यहीं नहीं देश के बाहर विदेशों में रह रहे समाज बंधुओं को भी समाज की संपूर्ण जानकारी वेब–साईट के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है। समाज की प्रथम ई–पत्रिका होने का गौरव भी आप सभी के सहयोग से हमें ही मिला है।

हमारी वेबसाईट www.malisaini.org में समाज के सभी वर्गो की विस्तृत जानकारियां उपलब्ध है एवं www.malisainisandesh.com में हमारी मासिक ई पत्रिका के वर्तमान एवं पूर्व के अंकों का खजाना आपके लिए हर समय उपलब्ध है। आप हमें पे–टी.एम. से मोबाईल नंबर 9414475464 पर भी सदस्यता शुल्क भेज पत्रिका प्राप्त कर सकते है।

डाक से नियमित रूप से निम्न पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका भेजने के लिए डिमाण्ड ड्राफ्ट/ मनीआर्डर माली सैनी संदेश के नाम से भेज रहा हूं।

सदस्यता राशि

दो वर्ष रु 400/-	पांच वर्ष रु 900/-	आजीवन रु 3100/-

नाम/संस्था का नाम ____________

पता ____________

फोन/मोबाईल ____________ ई-मेल ____________

ग्राम ____________ पोस्ट ____________ तहसील ____________

जिला ____________ पिनकोड ____________

राशि (रूपये) ____________ बैंक का नाम ____________

डिमाण्ड ड्राफ्ट/मनीआर्डर क्रमांक ____________ (डीडी/एमओ माली सैनी संदेश के नाम से भेजें)

अतः मुझे/हमें भी अंग्राकित पते पर माली सैनी संदेश पत्रिका डाक द्वारा भेजें।

दिनांक ____________

हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे : - प्रसार प्रभारी

3, जवरी भवन, भैरूबाग मंदिर के सामने, महावीर काम्प्लेक्स के पीछे, सरदारपुरा, जोधपुर (राज।)

Mobile : 9414475464/9214075464 visit us www,malisainisandesh.com
www.malisaini.org EAmail : malisainisandesh@gmail.com; editor@malisaini.org

एशियाड-2018 में रजत पदक विजेता अमन सैनी को दिल्ली के मुख्यमंत्री ने 75लाख का चैक देकर किया सम्मानित

कोटा में आयोजित माली समाज की राष्ट्रीय युवा अधिकार महारैली की झलकियाँ

जोधपुर में श्री नारायण सेवा समिति द्वारा आयोजित दशहरा महोत्सव की झलकियाँ

Postal Regd No. Jodhpur/463/2017-19

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

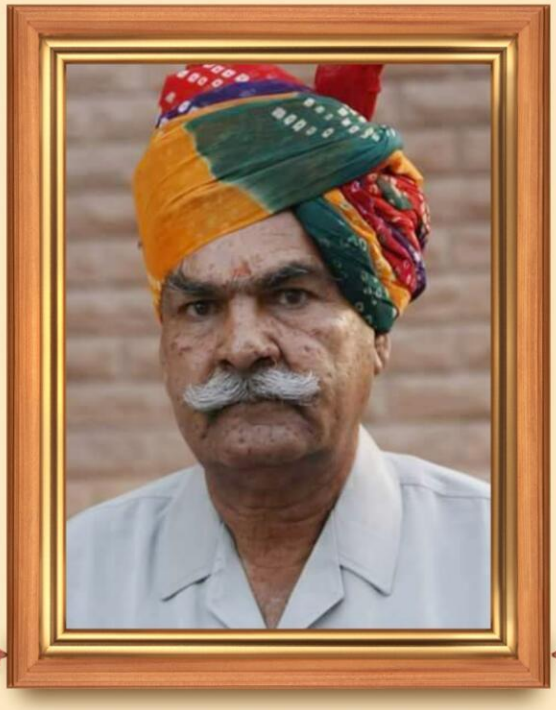

समाज के नेक, निर्भीक, स्पष्टवादी, दबंग एवं साहसी व्यक्तित्व के धनी

श्रीमान ब्रह्मसिंह परिहार

के निधन पर माली सैनी संदेश परिवार
की ओर से अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं दिवंगत आत्मा को नमन

स्वत्वाधिकारी संपादक / मालिक / प्रकाशक / मुद्रक
मनीष गहलोत के लिए भण्डारी ऑफसेट, न्यू पॉवर हाऊस
सेक्टर-7, जोधपुर से छपवाकर माली सैनी संदेश कार्यालय
सोजती गेट के अंदर, जोधपुर (राजस्थान) से प्रकाशित
फोन : 9414475464
ई-मेल - malisainisandesh@gmail.com

पत्र व्यवहार के लिए पता
P.O. Box No. 09, JODHPUR